RADISH- PACKAGE OF PRACTICES

Congratulations! You have chosen one of the finest Radish seeds from the Crystal family. Crystal has solid experience in producing high-quality Radish seeds. These seeds are the result of extensive research, aimed at developing high-yielding hybrid crops suitable for diverse agricultural climates. Crystal adopts the latest technologies during seed production to ensure that farmers receive seeds of the highest quality. Crystal's Radish seeds provide excellent germination & better vigour with tolerance to biotic & abiotic stresses.

Kindly adopt the best farming practices to get outstanding yield. The following general recommendations are provided, so we kindly ask you to read these recommendations before making any decisions.

Radish Hybrid	**Himani, Swathi**	**Palak Patta**	**Pusa Chetki Long**	**Jodha (Palak Patta)**								
Duration	45-55DAS	45-55DAS	45-55DAS	45-55DAS								
Kharif												
Rabi	Yes	Yes	Yes	Yes								
Spring	Early	Early	Early	Early								
Source of Irrigation	Ground	Ground	Ground	Ground								

Please note according to weather conditions crop growth & maturity may be different

S. No.	Particulars/ operations/Practice	Details of operation. input per acre
1	Suitability for the area. Agro climatic zone	Radishes prefer cooler weather and can bolt (go to seed) in heat, leading to poor root development. Likes cool weather and grows best at 10-24^0 C.
2	Land. Soil	Well drained sandy loams and alluvial soils. soil Ph 5.5 to 7.0 is ideal.
3	Season. Sowing/planting time	Sep-march is the ideal season in plains. In hilly areas with cool weather, Radish can be grown throughout the year. In Southern India, it can be grown in Apr-June and Oct-Dec.
4	Seed rate. Sowing/planting method.	400-500g in hybrids, 3.5 -4.5 kg / acre in varieties. Ridges and furrow method for planting
4	Preparation of Main field and planting	Apply 10 tones of decomposed FYM followed by harrowing to mix in the soil. Apply basal dose of fertilizers in furrows cover the fertilizer. Irrigate the field two day prior to sowing. Dibble seed Thinly on shallow ridges. In case of Basin method of sowing, give light irrigation for quick and better Germination
5	Spacing	Row to Row 30cm; Plant to plant:5-10 cm
6	Seed treatment before sowing	Seed treatment with captan 2 g/kg.
7	Manures and Fertilizers	* Basal dose before sowing : 20:25:25 Kg NPK * First top dressing 20-25 days after sowing:25 kg N
8	Irrigation schedule	Irrigate field depending on soil type. Light and frequent irrigation once in 5-6days interval.
9	Weeding/ inter cultivation	Two hand weeding is required. Keep plots free of weed. Thin out plant to maintain plant to plant 8-10cm spacing
10	Micronutrient/growth regulator sprays	Multiplex-Spray if micro nutrient deficiency is noticed
11	Pest and Disease control	Leaf spot: Metiram 70%WG (4 gm per litre) White rust: Metiram 70%WG (4 gm per litre) Downy mildew : Tebuconazole 50% + Trifloxystrobin 25% WG (0.5 to 1 gm per litre) or Chlorothalonil 75% WP 1.0 ml/Liter Flee beetle : Chlorpyriphos 1g/litre Thrips /Aphids : Flonicamid 50 % WG (0.5 gm/litre) or Flubendiamide 8.33 % + Deltamethrin 5.56 % w/w SC (0.5 ml/liter) Mites: Spiromesifen 22.90 % SC (1.3 ml/litre) For more information to control & disease in field, please consult your local agriculture officers.
12	Harvest	Up root the plant along with roots and separate roots.
13	Expected yield	An average yield is 6-10 t roots, under ideal conditions.
14	Storage	
15	Don't Do	
16	Do's	
Note	The above information is a general advisory. For specific recommendations related to particular region, please contact your local State Agriculture Department.	
Precautions	Crop growth and yield can be affected by various factors. Therefore, it is recommended to consult your local agricultural officer for advice. Ensure that only high-quality fertilizers and pesticides are used. Retain the bills for the purchase of seeds, fertilizers, and pesticides.	

CRYSTAL
Inspiring Growth

I&B Seeds
INDUS SEEDS | SEED PLANT SCIENCE

मूली की खेती के तरीके

बधाई हो! आपने क्रिस्टल परिवार की मूली की बेहतरीन किस्म के बीजों में से एक को चुना है। क्रिस्टल कंपनी को उच्च कोटि के मूली के बीजों के उत्पादन का समृद्ध अनुभव है। ये बीज व्यापक शोध के फलस्वरूप तैयार किए गए हैं, ताकि अलग-अलग खेती की परिस्थितियों में अधिक उपज देने वाली हाइब्रिड फसलें विकसित की जा सकें। क्रिस्टल कंपनी बीज निर्माण में आधुनिक तकनीकों का उपयोग करती है, जिससे किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले बीज मिल सकें। क्रिस्टल के मूली के बीजों में उच्च अंकुरण क्षमता, मजबूत पौध वृद्धि और रोग तथा पर्यावरणीय तनावों के प्रति अच्छी सहनशीलता होती है।

बेहतरीन परिणाम प्राप्त करने हेतु खेती के अनुशंसित तरीकों को अपनाएँ। आगे कुछ सामान्य सुझाव दिए जा रहे हैं, इसलिए हम आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि फैसला लेने से पहले कृपया इन्हें अच्छी तरह पढ़ लें।

हाइब्रिड मूली	हिमानी, हाइब्रिड. हिमानी, स्वाति	पालक पत्ता	पूसा चेतकी लॉन्ग	हाइब्रिड. जोधा (पालक पत्ता)								
अवधि	45-55DAS	45-55DAS	45-55DAS	45-55DAS								
खरीफ़												
रबी	हाँ	हाँ	हाँ	हाँ								
वसंत	शुरुआती	शुरुआती	शुरुआती	शुरुआती								
सिंचाई का स्रोत	जमीन	जमीन	जमीन	जमीन								

कृपया ध्यान रखें कि जलवायु की स्थिति के अनुसार फसल वृद्धि और परिपक्व होने का समय अलग-अलग हो सकता है

क्रम सं.	विवरण/ संचालन/तरीका	कार्यप्रणाली का विवरण। प्रति एकड़ लागत
1	क्षेत्र के लिए उपयुक्तता। कृषि-जलवायु क्षेत्र	मूली ठंडे मौसम को अधिक पसंद करती है, और गर्मी में जल्दी फूल (बीज बनने की प्रक्रिया) आ जाने के कारण जड़ का विकास ठीक से नहीं हो पाता। ठंड के मौसम में इसमें अच्छा विकास होता है और इसके लिए आदर्श तापमान 10–24^0 C है।
2	भूमि। मिट्टी	अच्छी तरह पानी निकलने वाली रेतीली दोमट और जलोढ़ मिट्टी मूली के लिए अनुकूल होता है और इसके लिए pH 5.5–7.0 सबसे बेहतर माना जाता है।
3	मौसम। बुवाई/रोपाई का समय	मैदानी इलाकों में मूली की बुवाई के लिए सितंबर से मार्च तक का समय उपयुक्त है। ठंडे जलवायु वाले पहाड़ी क्षेत्रों में मूली पूरे वर्ष उगाई जा सकती है। दक्षिण भारत में मूली की खेती अप्रैल–जून और अक्टूबर–दिसंबर के दौरान की जा सकती है।
4	बीज दर। बुवाई/रोपाई का तरीका।	हाइब्रिड किस्मों के लिए 400–500 ग्राम और अन्य किस्मों के लिए 3.5–4.5 किग्रा/एकड़। पौधों की बुवाई के लिए क्यारी और नाली का तरीका अपनाएँ
4	मुख्य खेत की तैयारी और रोपाई	गोबर की 10 टन सड़ी हुई खाद डालें और जुताई करें, ताकि यह मिट्टी में मिल जाए। नालियों में बेसल खुराक के रूप में उर्वरक डालकर ढक दें। बुआई से दो दिन पहले खेत की सिंचाई करें। नालियों में कम बीज बोना चाहिए। बेसिन तरीके से बीज बोते समय जल्दी और अच्छी तरह अंकुरित होने के लिए हल्की सिंचाई करें।
5	पौधों के बीच दूरी	पंक्तियों के बीच की दूरी: 30 cm, पौधों के बीच की दूरी: 5–10 cm
6	बुआई से पहले बीज उपचार	बीजों को कैप्टन 2 ग्रा./किग्रा के अनुपात में उपचारित करें।
7	जैविक और रासायनिक उर्वरक	* बुवाई के पहले बेसल खुराक: 20:25:25 किग्रा NPK * बुवाई के 20–25 दिन बाद पहली टॉप ड्रेसिंग: 25 किग्रा नाइट्रोजन
8	सिंचाई कार्यक्रम	मिट्टी की स्थिति के हिसाब से सिंचाई करें। 5–6 दिन के अंतराल में हल्की और नियमित सिंचाई करें।
9	गुड़ाई और खेत की बीच-बीच में जुताई	दो बार हाथ से खरपतवार निकालना जरूरी है। खेत में किसी भी तरह का खरपतवार न होने दें। पौधों के बीच 8–10 सेमी की दूरी सुनिश्चित करने के लिए कुछ पौधों को उखाड़ दें
10	पोषक तत्व और विकास नियामक का छिड़काव	सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी दिखाई पड़ने पर मल्टीप्लेक्स का छिड़काव करें।
11	कीट-पतंग और रोग नियंत्रण	लीफ स्पॉट: मेटिराम 70% WG (4 ग्रा./लीटर) ब्लाइट रस्ट: मेटिराम 70% WG (4 ग्रा./लीटर) डाउनी मिल्ड्यू: टेबुकोनाजोल 50% + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% WG (0.5–1 ग्राम/लीटर) या क्लोरोथैलोनिल 75% WP 1.0 मि.ली./लीटर फ्ली बीटल: क्लोर्पायरिफ़ॉस 1 ग्राम/लीटर थ्रिप्स / एफिड्स : फ्लोनिकामिड 50% WG (0.5 ग्राम/लीटर) या फ्लुबेंडियामाइड 8.33% + डेल्टामैथ्रिन 5.56% w/w SC (0.5 मिली/लीटर) माइट्स: स्पाइरोमेसिफेन 22.90% SC (1.3 मिली/लीटर) खेत में रोग और कीट नियंत्रण के संबंध में अधिक जानकारी के लिए अपने नजदीकी कृषि अधिकारियों से सलाह लें।
12	फसल काटना	पौधों को जड़ सहित उखाड़ें और जड़ों को अलग करें।
13	अनुमानित उपज	यदि सभी स्थितियाँ अनुकूल रहती हैं तो मूली की औसत उपज 6–10 टन होती है।
14	भंडारण	
15	क्या न करें	
16	क्या करें	
नोट	यह जानकारी सिर्फ़ सामान्य जानकारी के लिए है। विशेष क्षेत्र से जुड़ी अनुशंसाओं के लिए कृपया अपने संबंधित राज्य कृषि विभाग से संपर्क करें।	
सावधानियाँ	फ़सल वृद्धि और उपज पर अलग-अलग तत्वों का प्रभाव पड़ सकता है। अतः सलाह है कि सुझाव के लिए अपने नजदीकी कृषि अधिकारी से परामर्श करें। यह सुनिश्चित करें कि बेहतर गुणवत्ता के उर्वरक और कीटनाशक ही इस्तेमाल हों। बीज, उर्वरक और कीटनाशक की खरीद के बिल अपने पास रखें।	

મૂળા -ખેતી માટેની ભલામણ કરેલી પદ્ધતિઓ

અભિનંદન! તમે ક્રિસ્ટલ પરિવારમાંથી શ્રેષ્ઠ મૂળાના બીજમાંથી એક પસંદ કર્યું છે. ક્રિસ્ટલને ઉચ્ચ-ગુણવત્તાવાળા મૂળાના બીજ ઉત્પન્ન કરવાનો મજબૂત અનુભવ છે. આ બીજ વ્યાપક સંશોધનનું પરિણામ છે, જેનો ઉદ્દેશ્ય વિવિધ કૃષિ આબોહવા માટે યોગ્ય ઉચ્ચ ઉપજ આપતા હાઇબ્રિડ પાક વિકસાવવાનો છે. ખેડૂતોને ઉચ્ચ ગુણવત્તાવાળા બીજ મળે તે સુનિશ્ચિત કરવા માટે ક્રિસ્ટલ બીજ ઉત્પાદન દરમિયાન નવીનતમ તકનીકો અપનાવે છે. ક્રિસ્ટલના મૂળાના બીજ ઉત્તમ અંકુરણ અને વધુ સારી શક્તિ પ્રદાન કરે છે, સાથે જૈવિક અને અજૈવિક તાણ સહન કરે છે.
ઉત્તમ ઉપજ મેળવવા માટે કૃપા કરીને શ્રેષ્ઠ ખેતી પદ્ધતિઓ અપનાવો. નીચે આપેલ સામાન્ય ભલામણો આપવામાં આવી છે, તેથી અમે તમને કોઈપણ નિર્ણય લેતા પહેલા આ ભલામણો વાંચવા વિનંતી કરીએ છીએ.

મૂળા હાઇબ્રિડ	હિમાની, હાઇબ્રિડ. હિમાની, સ્વાતિ	પાલક પત્તા	પૂસા ચેતકી લાન્ગ	હાઇબ્રિડ. જોધા (પાલક પત્તા)								
સમયગાળો	45-55DAS	45-55DAS	45-55DAS	45-55DAS								
ખરીફ												
રાબી	હા	હા	હા	હા								
વસંત	વહેલું	વહેલું	વહેલું	વહેલું								
સિંચાઈનો સ્ત્રોત	જમીન	જમીન	જમીન	જમીન								

કૃપા કરીને નોંધ લો કે હવામાન પરિસ્થિતિઓ અનુસાર પાકનો વિકાસ અને પરિપક્વતા અલગ અલગ હોઈ શકે છે.

ક્રમ નં.	વિગતો/કામગીરી/પ્રેક્ટિસ	કામગીરીની વિગતો. પ્રતિ એકર ઇનપુટ
1	વિસ્તાર માટે યોગ્યતા. કૃષિ આબોહવા ક્ષેત્ર	મૂળા ઠંડા હવામાનને પસંદ કરે છે અને ગરમીમાં તે બીજમાં ભળી શકે છે, જેના કારણે મૂળનો વિકાસ ઓછો થાય છે. ઠંડુ હવામાન ગમે છે અને $^{10-24}$ ડિગ્રી સેલ્સિયસ તાપમાને શ્રેષ્ઠ વિકાસ પામે છે.
2	જમીન. માટી	સારા નિતારવાળી રેતાળ લોમ અને કાંપવાળી જમીન. માટી Ph 5.5 થી 7.0 આદર્શ છે.
3	ઋતુ. વાવણી/ વાવેતરનો સમય	સપ્ટેમ્બર-માર્ચ સપાટી વિસ્તારોમાં આદર્શ ઋતુ છે. ઠંડા હવામાનવાળા પર્વતીય વિસ્તારોમાં, મૂળા આખા વર્ષ દરમિયાન ઉગાડી શકાય છે. દક્ષિણ ભારતમાં, તે એપ્રિલ-જૂન અને ઓક્ટોબર-ડિસેમ્બરમાં ઉગાડી શકાય છે.
4	બીજ દર. વાવણી/વાવેતર પદ્ધતિ.	હાઇબ્રિડમાં 400-500 ગ્રામ, જાતોમાં 3.5 -4.5 કિગ્રા/એકર. વાવેતર માટે પટ્ટાઓ અને ચાસ પદ્ધતિ
4	મુખ્ય ખેતરની તૈયારી અને વાવેતર	10 ટન વિઘટિત છાણિયું ખાતર નાખો અને ત્યારબાદ જમીનમાં ભેળવીને કાપણી કરો. ખાતરને ઢાંકી દેતી ચાસમાં ખાતરનો મૂળ માત્રા આપો. વાવણીના બે દિવસ પહેલા ખેતરમાં પાણી આપો. છીછરા પટ્ટાઓ પર બીજને પાતળા વાવો. બેસિન પદ્ધતિની વાવણીના કિસ્સામાં, ઝડપી અને સારા અંકુરણ માટે હળવું પિયત આપો.
5	અંતર	લાઈન થી લાઈન 30cm; છોડથી છોડ: 5-10 cm
6	વાવણી પહેલાં બીજ માવજત	બીજ માવજત 2 ગ્રામ/કિલોગ્રામ કેપ્ટન સાથે કરો.
7	ખાતર અને ખાતરો	* વાવણી પહેલાં મૂળભૂત માત્રા: 20:25:25 કિગ્રા NPK * વાવણી પછી 20-25 દિવસ પછી પહેલું ટોપ ડ્રેસિંગ: 25 કિલો N
8	સિંચાઈ સમયપત્રક	જમીનના પ્રકાર પર આધાર રાખીને ખેતરમાં સિંચાઈ કરો. 5-6 દિવસના અંતરાલમાં એકવાર હળવું અને વારંવાર સિંચાઈ કરવી.
9	નીંદણ/આંતરખેતી	બે હાથે નીંદણ કાપવું જરૂરી છે. પ્લોટને નીંદણ મુક્ત રાખો. છોડ વચ્ચે 8-10 સે.મી.નું અંતર જાળવવા માટે છોડને પાતળો કરો.
10	સૂક્ષ્મ પોષકતત્વો/વૃદ્ધિ નિયમનકાર સ્પ્રે	મલ્ટિપ્લેક્સ-સ્પ્રે દ્વારા સૂક્ષ્મ પોષકતત્વોની ઉણપ જોવા મળી છે.
11	જીવાત અને રોગ નિયંત્રણ	લીફ સ્પોટ: મેટીરામ 70% WG (4 ગ્રામ પ્રતિ લીટર) સફેદ કાટ: મેટિરામ 70%WG (4 ગ્રામ પ્રતિ લિટર) તરછોડ: ટેબુકોનાઝોલ 50% + ટ્રાઇફ્લોક્સીસ્ટ્રોબિન 25% WG (0.5 થી 1 ગ્રામ પ્રતિ લિટર) અથવા ક્લોરોથાલોનિલ 75% WP 1.0 મિલી/લિટર ફ્લી બીટલ: ક્લોરપાયરીફોસ 1/લિટર થ્રિપ્સ / મોલો મચ્છર: ફ્લોનીકામિડ 50% WG (0.5 ગ્રામ/લિટર) અથવા ફ્લુબેન્ડિયામાઇડ 8.33% + ડેલ્ટામેથ્રિન 5.56% SC (0.5 મિલી/લિટર) સાથે જીવાત: સ્પાયરોમેસિફેન 22.90% SC (1.3 મિલી/લિટર) ખેતરમાં રોગ નિયંત્રણ અને નિયંત્રણ માટે વધુ માહિતી માટે, કૃપા કરીને તમારા સ્થાનિક કૃષિ અધિકારીઓનો સંપર્ક કરો.
12	લણણી	છોડને મૂળ સાથે ઉખાડીને મૂળ અલગ કરો.
13	અપેક્ષિત ઉપજ	આદર્શ પરિસ્થિતિઓમાં, સરેરાશ ઉપજ 6-10 ટન મૂળ છે.
14	સંગ્રહ	
15	ના કરો	
16	શું કરવું	
નોંધ	ઉપરોક્ત માહિતી એક સામાન્ય સલાહ છે. ચોક્કસ પ્રદેશ સંબંધિત ચોક્કસ ભલામણો માટે, કૃપા કરીને તમારા સ્થાનિક રાજ્ય કૃષિ વિભાગનો સંપર્ક કરો.	
સાવચેતીનાં પગલાં	પાકની વૃદ્ધિ અને ઉપજ વિવિધ પરિબળોથી પ્રભાવિત થઈ શકે છે. તેથી, સલાહ માટે તમારા સ્થાનિક કૃષિ અધિકારીનો સંપર્ક કરવાની ભલામણ કરવામાં આવે છે. ખાતરી કરો કે ફક્ત ઉચ્ચ ગુણવત્તાવાળા ખાતરો અને જંતુનાશકોનો ઉપયોગ થાય છે. બીજ, ખાતર અને જંતુનાશકોની ખરીદીના બિલ સાચવી રાખો.	

मुळा - पीक व्यवस्थापन पद्धती

अभिनंदन! तुम्ही क्रिस्टल कुटुंबातील मुळ्याच्या सर्वोत्तम बियाण्यांपैकी एक बियाणे निवडले आहे. क्रिस्टलला उच्च दर्जाचे मुळ्याचे बियाणे तयार करण्याचा चांगला अनुभव आहे. विविध कृषी हवामानासाठी योग्य उच्च-उत्पादन देणारी संकरित पिके विकसित करण्याच्या उद्देशाने केलेल्या व्यापक संशोधनाचे परिणाम म्हणजेच हे बियाणे. शेतकऱ्यांना उच्च दर्जाचे बियाणे मिळावे यासाठी क्रिस्टल नेहमीच बियाणांच्या उत्पादना दरम्यान नवीनतम तंत्रज्ञानाचा अवलंब करते. क्रिस्टलच्या मुळ्याच्या बियाणांमुळे, जैविक आणि अजैविक ताण सहन करण्याच्या शक्तीसह पिके जोमाने उगवतात आणि वाढतात.
उत्कृष्ट उत्पादन मिळविण्यासाठी कृपया सर्वोत्तम शेती पद्धतींचा अवलंब करा. खाली सामान्य शिफारसी दिल्या आहेत, त्यामुळे कोणताही निर्णय घेण्यापूर्वी आम्ही तुम्हाला या शिफारसी वाचण्याची विनंती करतो.

मुळा हायब्रीड	हिमानी, हाइब्रिड. हिमानी, स्वाति	पालक पत्ता	पूसा चेतकी लॉन्ग	हाइब्रिड. जोधा (पालक पत्ता)								
कालावधी	45-55दिवसांनी	45-55दिवसांनी	45-55दिवसांनी	45-55दिवसांनी								
खरीप												
रब्बी	होय	होय	होय	होय								
वसंत ऋतु	लवकर	लवकर	लवकर	लवकर								
सिंचनाचा स्रो	जमीन	जमीन	जमीन	जमीन								

कृपया नोंद घ्या की, हवामानाच्या परिस्थितीनुसार पिकाची वाढ आणि परिपक्वता वेगवेगळी असू शकते.

अनु. क्र.	तपशील/कामकाज/प्रत्यक्ष कृती	कार्याचे तपशील. प्रति एकर उत्पादन
1	क्षेत्रासाठी सुसंगतता. कृषी हवामान क्षेत्र	मुळ्याला थंड हवामान पोषक असते, तर उष्णतेमध्ये बियाण्याचे अंकुरण आणि मुळांचा विकास बाधित होऊ शकतो. मुळ्याची वाढ 10 ते 24°C तापमानात उत्तम होते.
2	जमीन. माती	चांगला निचरा होणारी वालुकामय चिकणमाती आणि गाळयुक्त माती. मातीचा सामू (pH) 5.5 ते 7.0 Ph आदर्श असतो.
3	हंगाम. पेरणी/लागवडीची वेळ	सप्टेंबर-मार्च हा मैदानी भूभागात आदर्श हंगाम असतो. थंड हवामान असलेल्या डोंगराळ भागात, मुळा वर्षभर पिकवता येतो. दक्षिण भारतात, एप्रिल-जून आणि ऑक्टोबर-डिसेंबरमध्ये त्याचे पीक घेता येते.
4	बियाणांचा दर पेरणी/लागवडीची पद्धत	संकरित जातींमध्ये 400-500 ग्रॅम, विविध जातींमध्ये 3.5 -4.5 किलो / एकर. लागवडीसाठी बांध आणि सरी पद्धत
4	मुख्य शेताची तयारी आणि लागवड	10 टन कुजलेले शेणखत टाका आणि नंतर जमिनीत व्यवस्थित मिसळा. खताचा मूलभूत डोस सरींमध्ये सोडा. पेरणीपूर्वी दोन दिवस आधी शेताला पाणी द्या. उथळ सरींवर बियाणे पातळ पेरा. बेसिन पद्धतीने पेरणी केल्यास, भरभर आणि चांगले अंकुरण्यासाठी थोडेथोडे पाणी द्या.
5	अंतर	प्रत्येक वाफ्यामध्ये 30 सेमी; प्रत्येक रोपांमध्ये: 5-10 सेमी
6	पेरणीपूर्वी बियाणांवर प्रक्रिया	कॅप्टन 2 ग्रॅम/किलो या प्रमाणात बियाण्यांवर प्रक्रिया करते.
7	सेंद्रिय पदार्थ आणि खते	* पेरणीपूर्वी मूलभूत डोस: 20:25:25 किलो एनपीके * पेरणीनंतर 20-25 दिवसांनी पहिले टॉप ड्रेसिंग: 25 किलो नत्र
8	पेरणीपूर्वी बियाणे प्रक्रिया	मातीच्या प्रकारानुसार शेताला पाणी द्या. 5-6 दिवसांच्या अंतराने एकदा थोडेथोडे आणि वारंवार पाणी द्या.
9	खुरपणी/ आंतरमशागत	दोन हातांनी खुरपणी करणे आवश्यक आहे. शेत तणमुक्त ठेवा. प्रत्येक रोपांमध्ये 8-10 सेमी अंतर ठेवा.
10	सूक्ष्म पोषक घटक/वाढ नियामक फवारण्या	सूक्ष्म पोषक तत्वांची कमतरता आढळल्यास मल्टीप्लेक्समध्ये फवारणी करा.
11	कीटक आणि रोग नियंत्रण	पानचट्टा: मेटिराम 70%WG (4 ग्रॅम प्रति लिटर) पांढरा तांबेरा: मेटिराम 70%WG (4 ग्रॅम प्रति लिटर) केवडा बुरशी: टेबुकोनाझोल 50% + ट्रायफ्लॉक्सीस्ट्रोबिन 25% WG (0.5 ते 1 ग्रॅम प्रति लिटर) किंवा क्लोरोथॅलोनिल 75% WP 1.0 मिली/लिटर पिसू बीटल: क्लोरपायरीफॉस 1 ग्रॅम/लिटर फुलकिडा/मावा: फ्लोनिकामिड 50 % WG (0.5 ग्रॅम/लिटर) किंवा फ्लुवेन्डियामाइड 8.33% + डेल्टामेथ्रिन 5.56% भा/आ. SC (0.5 मिली/लिटर) धुळीतील सूक्ष्म कीटक: स्पायरोमेसिफेन 22.90 % SC (1.3 मिली/लिटर) शेतातील नियंत्रणासाठी आणि रोगाच्या अधिक माहितीसाठी, कृपया तुमच्या स्थानिक कृषी अधिकाऱ्यांचा सल्ला घ्या.
12	कापणी	रोपाला मुळांसह उपसून वर काढा आणि वेगळ्या मुळांसहित लावा.
13	अपेक्षित उत्पन्न	आदर्श परिस्थितीत सरासरी उत्पादन 6-10 टन मिळते.
14	साठवणूक	
15	करू नका	
16	करा	
नोंद	वरील माहिती मधून सामान्य सल्ले दिले आहेत. विशिष्ट प्रदेशाशी संबंधित विशिष्ट शिफारसींसाठी कृपया तुमच्या स्थानिक राज्य कृषी विभागाशी संपर्क साधा.	
घेण्याची काळजी	पिकांच्या वाढीवर आणि उत्पन्नावर विविध घटक परिणाम करू शकतात. म्हणून, तुमच्या स्थानिक कृषी अधिकाऱ्यांचा सल्ला घेण्याची शिफारस केली जाते. केवळ उच्च दर्जाची खते आणि कीटकनाशके वापरली जात आहेत याची खात्री करा. बियाणे, खते आणि कीटकनाशके खरेदी करताना बिल बाळगा.	

CRYSTAL
Inspiring Growth

I&B Seeds
INDUS SEEDS

ಮೂಲಂಗಿ - ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳ ಪ್ಯಾಕೇಜ್												
ಅಭಿನಂದನೆಗಳು! ನೀವು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಕುಟುಂಬದಿಂದ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಮೂಲಂಗಿ ಬೀಜಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದನ್ನು ಆರಿಸಿದ್ದೀರಿ. ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಮೂಲಂಗಿ ಬೀಜಗಳನ್ನು ಉತ್ಪಾದಿಸುವಲ್ಲಿ ದೃಢವಾದ ಅನುಭವವನ್ನು ಹೊಂದಿದೆ. ಈ ಬೀಜಗಳು ವ್ಯಾಪಕವಾದ ಸಂಶೋಧನೆಯ ಫಲಿತಾಂಶವಾಗಿದ್ದು, ವಿವಿಧ ಕೃಷಿ ಹವಾಮಾನಗಳಿಗೆ ಸೂಕ್ತವಾದ ಹೆಚ್ಚಿನ ಇಳುವರಿ ನೀಡುವ ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಬೆಳೆಗಳನ್ನು ಅಭಿವೃದ್ಧಿಪಡಿಸುವ ಗುರಿಯನ್ನು ಹೊಂದಿವೆ. ರೈತರಿಗೆ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಬೀಜಗಳು ದೊರೆಯುವುದನ್ನು ಖಾತ್ರಿಪಡಿಸಲು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಬೀಜ ಉತ್ಪಾದನೆಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಇತ್ತೀಚಿನ ತಂತ್ರಜ್ಞಾನಗಳನ್ನು ಆಳವಡಿಸಿಕೊಂಡಿದೆ. ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ನ ಮೂಲಂಗಿ ಬೀಜಗಳು ಜೈವಿಕ ಮತ್ತು ಅಜೈವಿಕ ಒತ್ತಡಗಳಿಗೆ ಸಹಿಷ್ಣುತೆಯೊಂದಿಗೆ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಮೊಳಕೆಯೊಡೆಯುವಿಕೆ ಮತ್ತು ಉತ್ತಮ ಚೈತನ್ಯವನ್ನು ಒದಗಿಸುತ್ತವೆ. ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಇಳುವರಿ ಪಡೆಯಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಉತ್ತಮ ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳನ್ನು ಆಳವಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಈ ಕೆಳಗಿನ ಸಾಮಾನ್ಯ ಶಿಫಾರಸುಗಳನ್ನು ಒದಗಿಸಲಾಗಿದೆ, ಅದ್ದರಿಂದ ಯಾವುದೇ ನಿರ್ಧಾರಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವ ಮೊದಲು ಈ ಶಿಫಾರಸುಗಳನ್ನು ಓದಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಕೇಳಿಕೊಳ್ಳುತ್ತೇವೆ.											
ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಮೂಲಂಗಿ	ಹಿಮಾನಿ, ಹೈಬ್ರಿಡ್. ಹಿಮಾನಿ, ಸ್ವಾತಿ	ಪಾಲಕ್ ಪತ್ಯಾ	ಪೂಸಾ ಚೇತಕಿ ಲಾಂಗ್	ಹೈಬ್ರಿಡ್. ಜೋಧಾ (ಪಾಲಕ್ ಪತ್ಯಾ)								
ಅವಧಿ	45-55ದಿನಗಳು	45-55ದಿನಗಳು	45-55ದಿನಗಳು	45-55ದಿನಗಳು								
ಮಂಗಾರು												
ಹಿಂಗಾರು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು	ಹೌದು								
ವಸಂತ	ಆರಂಭಿಕ	ಆರಂಭಿಕ	ಆರಂಭಿಕ	ಆರಂಭಿಕ								
ನೀರಾವರಿ ಪದ್ಧತಿ	ನೆಲ	ನೆಲ	ನೆಲ	ನೆಲ								

ದಯವಿಟ್ಟು ಗಮನಿಸಿ: ಹವಾಮಾನ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಪಕ್ವತೆ ವಿಭಿನ್ನವಾಗಿರಬಹುದು		
ಕ್ರಮ ಸಂಖ್ಯೆ.	ವಿವರಗಳು / ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಗಳು /ಪದ್ಧತಿ	ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಯ ವಿವರಗಳು / ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ ಒಳಹರಿವು
1	ಪ್ರದೇಶದ ಸೂಕ್ತತೆ. ಕೃಷಿ ಹವಾಮಾನ ವಲಯ	ಮೂಲಂಗಿಗಳು ತಂಪಾದ ಹವಾಮಾನವನ್ನು ಆದ್ಯತೆ ನೀಡುತ್ತವೆ ಮತ್ತು ಬಿಸಿಯಲ್ಲಿ ಬೋಲ್ಟ್ (ಬೀಜಕ್ಕೆ ಹೋಗುವುದು) ಆಗಬಹುದು, ಇದು ಕಳಪೆ ಬೇರು ಬೆಳವಣಿಗೆಗೆ ಕಾರಣವಾಗುತ್ತದೆ. ತಂಪಾದ ಹವಾಮಾನವನ್ನು ಇಷ್ಟಪಡುತ್ತದೆ ಮತ್ತು 10-24^0 C ನಲ್ಲಿ ಉತ್ತಮವಾಗಿ ಬೆಳೆಯುತ್ತದೆ.
2	ಭೂಮಿ. ಮಣ್ಣು	ಉತ್ತಮ ನೀರು ಬಸಿದು ಹೋಗುವಂತಹ ಮರಳು ಮಿಶ್ರಿತ ಏರಿ ಮಣ್ಣು ಮತ್ತು ಮೆಕ್ಕಲು ಮಣ್ಣುಗಳು ಸೂಕ್ತ. ಮಣ್ಣಿನ pH 5.5 ರಿಂದ 7.0 ಆದರ್ಶವಾಗಿದೆ.
3	ಋತು. ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ ಸಮಯ	ಸಮತಲ ಪ್ರದೇಶಗಳಲ್ಲಿ, ಸೆಪ್ಟೆಂಬರ್-ಮಾರ್ಚ್ ಆದರ್ಶ ಋತುವಾಗಿದೆ. ತಂಪಾದ ಹವಾಮಾನವಿರುವ ಗಿರಿಧಾಮ ಪ್ರದೇಶಗಳಲ್ಲಿ, ಮೂಲಂಗಿಯನ್ನು ವರ್ಷವಿಡೀ ಬೆಳೆಯಬಹುದು. ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತದಲ್ಲಿ, ಇದನ್ನು ಏಪ್ರಿಲ್-ಜೂನ್ ಮತ್ತು ಆಕ್ಟೋಬರ್-ಡಿಸೆಂಬರ್ ನಲ್ಲಿ ಬೆಳೆಯಬಹುದು.
4	ಬೀಜದ ಪ್ರಮಾಣ. ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ ವಿಧಾನ.	ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಪ್ರಭೇದಗಳಲ್ಲಿ 400-500 ಗ್ರಾಂ, ತಳಿಗಳಲ್ಲಿ 3.5-4.5 ಕೆ.ಜಿ/ಎಕರೆ. ಸಾಲುವೇಣಿ ಮತ್ತು ನಾಲೆ ಪದ್ಧತಿಯಲ್ಲಿ ನಾಟಿ ಮಾಡುವುದು
4	ಮುಖ್ಯ ಹೊಲವನ್ನು ತಯಾರು ಮಾಡುವುದು ಮತ್ತು ನಾಟಿ	10 ಟನ್ ಕೊಟ್ಟಿಗೆ ಗೊಬ್ಬರ ಅನ್ನು ಹಾಕಿ ನಂತರ ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ಬೆರೆಸಲು ಹ್ಯಾರೋಯಿಂಗ್ ಮಾಡಿ. ಗೊಬ್ಬರದ ಮೂಲ ಪ್ರಮಾಣವನ್ನು ಸಾಲುಗಳಲ್ಲಿ ಹಾಕಿ ಗೊಬ್ಬರವನ್ನು ಮುಚ್ಚಿ. ಬಿತ್ತನೆಗೆ ಎರಡು ದಿನಗಳ ಮೊದಲು ಹೊಲಕ್ಕೆ ನೀರಾವರಿ ಮಾಡಿ. ಆಳವಿಲ್ಲದ ಸಾಲುವೇಣಿಗಳ ಮೇಲೆ ಬೀಜವನ್ನು ತೆಳ್ಳಗೆ ಊರುಗೋಲಿನಿಂದ ಬಿತ್ತನೆ ಮಾಡಿ. ಬೇಸಿನ್ ಬಿತ್ತನೆ ವಿಧಾನದ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ, ತ್ವರಿತ ಮತ್ತು ಉತ್ತಮ ಮೊಳಕೆಯೊಡೆಯುವಿಕೆಗಾಗಿ ಹಗುರ ನೀರಾವರಿ ನೀಡಿ
5	ಅಂತರ	ಸಾಲಿನಿಂದ ಸಾಲಿಗೆ 30 ಸೆಂ.ಮೀ; ಗಿಡದಿಂದ ಗಿಡಕ್ಕೆ: 5-10 ಸೆಂ.ಮೀ
6	ಬಿತ್ತನೆಯ ಮೊದಲು ಬೀಜ ಸಂಸ್ಕರಣೆ	ಕ್ಯಾಪ್ಟಾನ್ 2 ಗ್ರಾಂ/ಕೆ.ಜಿ ಬೀಜ ಸಂಸ್ಕರಣೆ.
7	ಗೊಬ್ಬರ ಮತ್ತು ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು	ಬಿತ್ತನೆಗೆ ಮೊದಲು ಮೂಲ ಪ್ರಮಾಣ: 20:25:25 ಕೆ.ಜಿ NPK ಮೊದಲ ಮೇಲ್ಮೈಬ್ಬರ ಬಿತ್ತನೆಯ ನಂತರ 20-25 ದಿನಗಳು: 25 ಕೆ.ಜಿ N
8	ನೀರಾವರಿ ವೇಳಾಪಟ್ಟಿ	ಮಣ್ಣಿನ ಪ್ರಕಾರವನ್ನು ಆವಲಂಬಿಸಿ ಹೊಲಕ್ಕೆ ನೀರಾವರಿ ಮಾಡಿ. ಲಘು ಮತ್ತು ಆಗಾಗ್ಗೆ ನೀರಾವರಿ 5-6 ದಿನಗಳ ಅಂತರದಲ್ಲಿ ಒಮ್ಮೆ.
9	ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವುದು/ ಅಂತರ ಬೇಸಾಯ	ಎರಡು ಬಾರಿ ಕೈಯಿಂದ ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವುದು ಅಗತ್ಯವಿದೆ. ಹೊಲಗಳನ್ನು ಕಳೆ ರಹಿತವಾಗಿರಿಸಿ. ಗಿಡದಿಂದ ಗಿಡಕ್ಕೆ 8-10 ಸೆಂ.ಮೀ ಅಂತರವನ್ನು ನಿರ್ವಹಿಸಲು ಗಿಡಗಳನ್ನು ತೆಳುಗೊಳಿಸಿ
10	ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳು/ಬೆಳವಣಿಗೆ ನಿಯಂತ್ರಕ ಸಿಂಪಡಣೆಗಳು	ಮಲ್ಟಿಪೆಕ್ಸ್-ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳ ಕೊರತೆ ಗಮನಿಸಿದರೆ ಸಿಂಪಡಿಸಿ
11	ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣ	ಎಲೆ ಕಲೆ: ಮೆಟಿರಾಮ್ 70% WG (4 ಗ್ರಾಂ ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್) ಬಿಳಿ ತುಕ್ಕು: ಮೆಟಿರಾಮ್ 70% WG (4 ಗ್ರಾಂ ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್) ಡೌನಿ ಶಿಲೀಂಧ್ರ ರೋಗ: ಟೆಬುಕೊನಾಝೋಲ್ 50% + ಟ್ರೈಫ್ಲಾಕ್ಸಿಸ್ಟ್ರೋಬಿನ್ 25% WG (0.5 ರಿಂದ 1 ಗ್ರಾಂ ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್) ಅಥವಾ ಕ್ಲೋರೋಥಾಲೋನಿಲ್ 75% WP 1.0 ಮಿ.ಲಿ/ಲೀಟರ್ ಫ್ಲೀ ಜೀರುಂಡೆ: ಕ್ಲೋರ್ಪೈರಿಫಾಸ್ 1 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್ ಥ್ರಿಪ್ಸ್/ಎಲೆ ತಿಗಣೆ ನಿಯಂತ್ರಣಕ್ಕೆ: ಫ್ಲೋನಿಕಾಮಿಡ್ 50% WG(0.5 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ಅಥವಾ ಫ್ಲುಬೆಂಡಿಯಾಮೈಡ್ 8.33%+ಡೆಲ್ಟಾಮೆಥ್ರಿನ್ 5.56% w/w SC(0.5 ಮಿ.ಲೀ./ಲೀಟರ್) ಬಳಸಿ ಹುಳಗಳು: ಸ್ಪೈರೋಮೆಸಿಫೆನ್ 22.90% SC (1.3 ಮಿ.ಲೀ/ಲೀಟರ್) ಹೊಲದಲ್ಲಿ ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣದ ಕುರಿತು ಹೆಚ್ಚಿನ ಮಾಹಿತಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಗಳನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.
12	ಕೊಯ್ಲು	ಬೇರುಗಳೊಂದಿಗೆ ಗಿಡವನ್ನು ಕಿತ್ತು ಬೇರುಗಳನ್ನು ಬೇರ್ಪಡಿಸಿ.
13	ನಿರೀಕ್ಷಿತ ಇಳುವರಿ	ಸೂಕ್ತವಾದ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳಲ್ಲಿ ಸರಾಸರಿ ಇಳುವರಿ 6-10 ಟನ್ ಬೇರುಗಳು.
14	ಶೇಖರಣೆ	
15	ಮಾಡಬೇಡಿ	
16	ಮಾಡಬೇಕಾದವು	
ಸೂಚನೆ	ಮೇಲಿನ ಮಾಹಿತಿಯು ಸಾಮಾನ್ಯ ಸಲಹೆಯಾಗಿದೆ. ನಿರ್ದಿಷ್ಟ ಪ್ರದೇಶಕ್ಕೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ವಿಶೇಷ ಶಿಫಾರಸುಗಳಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ರಾಜ್ಯ ಕೃಷಿ ಇಲಾಖೆಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.	
ಎಚ್ಚರಿಕೆಗಳು	ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಇಳುವರಿಯು ವಿವಿಧ ಅಂಶಗಳಿಂದ ಪ್ರಭಾವಿತವಾಗಿರಬಹುದು. ಆದ್ದರಿಂದ, ಸಲಹೆಗಾಗಿ ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಲು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ. ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳನ್ನು ಮಾತ್ರ ಬಳಸಲಾಗಿದೆ ಎಂದು ಖಚಿತಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಬೀಜಗಳು, ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳ ಖರೀದಿಯ ಬಿಲ್‌ಗಳನ್ನು ಉಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ.	

ముల్లంగిలో-పాటించవలసిన ఆచరణల పాకేజి

శుభాకాంక్షలు! క్రిస్టల్ కుటుంబము యొక్క అత్యంత ఉత్తమమైన ముల్లంగి విత్తనాల్లో ఒకదానిని మీరు ఎంచుకున్నారు. ఉత్తమ-నాణ్యత కలిగిన ముల్లంగి విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేయడములో క్రిస్టల్ కి చాలా అనుభవము వుంది. ఈ విత్తనాలు విస్తారముగా చేసిన పరిశోధన యొక్క ఫలితము, వీటిని వివిధ వ్యవసాయ వాతావరణాలకి అనుకూలముగా అధిక-దిగుబడి ఇవ్వడమనే ఉద్దేశ్యముతో రూపొందించడము జరిగినది. రైతులకు అత్యధిక నాణ్యత కలిగిన విత్తనాలను అందించడానికి విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేసే సమయములో క్రిస్టల్ అత్యాధునిక టెక్నాలజీలను పాటిస్తుంది. క్రిస్టల్ ముల్లంగి విత్తనాలు బయోటిక్ & ఏబయోటిక్ వత్తిడికి తట్టుకునే సామర్థ్యముతో అద్భుతమైన మొలకెత్తే తత్వాలను & మెరుగైన బలమును కలిగివుంటాయి.
అద్భుతమైన దిగుబడి కొరకు దయచేసి ఉత్తమమైన వ్యవసాయ ఆచరణలను పాయించండి, క్రింద సాధారణ సూచనలు ఇవ్వబడ్డాయి, కాబట్టి ఏవైనా నిర్ణయాలు తీసుకునే ముందు ఈ సూచనలను చదవాలని మేము మిమ్మల్ని అభ్యర్థిస్తున్నాము.

హైబ్రిడ్ ముల్లంగి	**హిమని , స్వాతి**	**పాలక్ పత్తా**	**పూసా చేతికి లాంగ్**	**జోధా (పాలక్ పత్తా)**								
కాలము పరిమితి	45-55 DAS	45-55 DAS	45-55 DAS	45-55 DAS								
ఖరీఫ్												
రబీ	అవును	అవును	అవును	అవును								
వసంత కాలము	తొందరగా	తొందరగా	తొందరగా	తొందరగా								
నీటి పారుదల వనరు	గ్రౌండ్	గ్రౌండ్	గ్రౌండ్	గ్రౌండ్								

దయచేసి గమనించండి వాతావరణ పరిస్థితుల ఆధారముగా పంట ఎదుగుదల & పక్వము కాలము మారవచ్చు

క్ర. సం.	వివరాలు/ఆపరేషన్లు/ఆచరణలు	ఆపరేషన్ వివరాలు. ఎకరానికి ఇన్పుట
1	ప్రాంతము యొక్క అనుకూలత. వ్యవసాయ వాతావరణ జోన్	ముల్లంగికి చల్లని వాతావరణము కావాలి మరియు వేడిలో అవి బోల్టింగ్ (విత్తనాలకి వెళ్ళండి), ఇది నాశిరకముగా వేరులు ఎదగడానికి దారి తీస్తుంది. దీనికి చల్లని వాతావరణము ఇష్టము మరియు 10-24^0 C వద్ద బాగా పెరుగుతుంది.
2	భూమి. మట్టి	బాగా నీరు ఇంకే ఇసుక లోమ్స్ మరియు ఒండ్రు మట్టి నేలలు. మట్టి Ph 5.5 నుంచి 7.0 అనుకూలము.
3	కాలము. విత్తే/నాటే సమయము	పల్లపు ప్రాంతాల్లో సెప్టెంబర్-మార్చి సరైన సీజన్. కొండ ప్రాంతాల్లోని చల్లని వాతావరణములో, ముల్లంగిని సంవత్సరము అంతటా పెంచవచ్చు. దక్షిణ భారతదేశములో, దీనిని ఏప్రిల్-జూన్ మరియు అక్టోబర్-డిసెంబర్ లో పెంచవచ్చు.
4	విత్తనము రేట్. విత్తే/నాటే పద్ధతి.	హైబ్రిడ్లలో 400-500 గ్రాములు, వంగడాలలో 3.5 -4.5 కిలోలు/ఎకరానికి. నాటడానికి గట్లు మరియు చాళ్ళు పద్ధతి
4	ప్రధానమైన పొలమును తయారు చేయడము మరియు నాటడము	డికంపోజ్ చేసిన ఎఫ్వైఎం 10 టన్నులు అప్లై చేయండి తరవాత దుక్కి దున్నడము వలన అది మట్టిలో బాగా కలుస్తుంది. బేసల్ డోస్ ఫర్టిలైజర్లను చాళ్ళలో అప్లై చేయండి మరియు ఫర్టిలైజరుని కవర్ చేయండి. నాటడానికి రెండు రోజుల ముందు పొలముకి నీరు పెట్టండి. తక్కువ ఎత్తు వున్న గట్ల మీద విత్తనాలను రంధ్రము చేసి పలుచగా నాటండి. ఒకవేళ నాటడానికి బేసిన్ పద్ధతి పాటిస్తే, త్వరగా మరియు మెరుగైన మొలకెత్తడము కోసం తేలికగా నీరు పెట్టండి
5	ఖాళీ ఇవ్వడము	రో నుంచి రో 30cm; మొక్క నుంచి మొక్క: 5-10 cm
6	విత్తే ముందు విత్తనమును శుద్ధి చేయడము	విత్తనాలను కాప్టాన్ 2 గ్రాములు/కిలో తో శుద్ధి చేయండి.
7	ఎరువులు మరియు ఫర్టిలైజర్లు	*విత్తే ముందు బెసల్ డోస్: 20:25:25 కిలో NPK *విత్తిన తరవాత 20-25 రోజులకి మొదటి టాప్ డ్రెస్సింగ్: 25 కిలో N
8	నీటి పారుదల షెడ్యూల్	మట్టి రకమును బట్టి పొలముకి నీటిని పెట్టండి. 5-6 రోజుల వ్యవధిలో తేలికగా మరియు తరచూ నీరు పెట్టండి.
9	కలుపు మొక్కలు తియడము/అంతర్గత కల్టివేషన్	చేతితో కలుపు మొక్కలను రెండు దఫాలుగా తొలగించాలి. ప్లాట్లను కలుపు మొక్కలు లేకుండా వుంచండి. మొక్క నుంచి మొక్కకి 8-10cm ఖాళీ మెయింటేన్ చేయడానికి మొక్క ఆకులను కత్తిరించండి
10	సూక్ష్మపోషకము/ఎదుగుదల రెగ్యులేటర్	ఒకవేళ సూక్ష్మపోషకాల లోపము గమనిస్తే మల్టిప్లెక్స్-స్ప్రే ఉపయోగించండి
11	పీడపోయిరియు తెగులు కంట్రోల్	ఆకు మచ్చ తెగులు: మెట్రిరామ్ 70%WG (4 గ్రాములు లీటరుకి) తెల్లటి తుప్పు తెగులు: మెట్రిరామ్ 70%WG (4 గ్రాములు లీటరుకి) డౌనీ బూజు తెగులు: కెబుకునజోల్ 50% + ట్రిఫ్లోక్సీస్ట్రోబిన్ 25% WG (లీటరుకి 0.5 నుంచి 1 గ్రాములు) లేదా క్లోరోథాలోనిల్ 75% WP 1.0 ml/లీటరు పేడ పురుగు (ఫ్లీ బీటిల్): క్లోరోపైరిఫాస్ 1 గ్రాము/లీటరు తామర పురుగులు/ పేను బంక: ఫ్లోనికామిడ్ 50 % WG (లీటరు/0.5 గ్రాములు) లేదా ఫ్లూబెన్డియామైడ్ 8.33 % + డెల్టామెథ్రిన్ 5.56 % w/w SC (లీటరు/0.5 ml) నల్లి (మైట్స్): స్పిరోమెసిఫెన్ 22.90 % SC (1.3 ml/లీటరు) పొలములో తెగులు & చీడల కంట్రోలు మీద అదనపు సమాచారము కొరకు, దయచేసి మీ స్థానిక వ్యవసాయ ఆఫీసర్లను సంప్రదించండి.
12	కోత	మొక్కని వేళ్ళతో సహా పీకండి మరియు వేళ్ళు వేరు చేయండి.
13	ఆశించే దిగుబడి	సరైన పరిస్థితులలో, సగటు దిగుబడి 6-10 టన్నుల వేళ్ళు వుంటుంది.
14	స్టోర్ చేయడము	
15	చేయకూడనివి	
16	చేయవలసినవి	

గమనిక	పైన చెప్పబడిన సమాచారము సాధారణ సలహాలు మాత్రమే. ప్రత్యేక ప్రాంతాలకి సంబంధించిన ప్రత్యేకమైన సూచనల కొరకు, దయచేసి మీ రాష్ట్ర స్థానిక వ్యవసాయ శాఖను సంప్రదించండి.
జాగ్రత్తలు	పంటల ఎదుగుదల మరియు దిగుబడి పలు కారణాల వలన ప్రభావితము అవుతుంది. కాబట్టి, మీ స్థానిక వ్యవసాయ అధికారిని సలహా కొరకు సంప్రదించాలని సూచించడము జరిగింది. కేవలము అధిక-నాణ్యత కలిగిన ఫర్టిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనులు మాత్రమే ఉపయోగించబడ్డాయని ధృవీకరించుకోండి. విత్తనాలు, ఫర్టిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనుల కొనుగోలు బిల్లులను మీ వద్ద వుంచుకోండి.

முள்ளங்கி - பயிரிடுதலுக்கான வழிகாட்டுதல்கள் மற்றும் தொழில்நுட்பங்கள்

வாழ்த்துகள்! கிரிஸ்டல் குடும்பத்தில் இருந்து மிகச் சிறந்த முள்ளங்கி விதைகளில் ஒன்றைத் தேர்வு செய்துள்ளீர்கள். உயர் தர முள்ளங்கி விதைகள் தயாரிப்பில் கிரிஸ்டல் நிறுவனம் மிகச் சிறந்த அனுபவம் கொண்டது. இந்த விதைகள், பரவலான விவசாயக் காலநிலைகளுக்கு பொருந்தும் வகையில், அதிக மகசூல் தரும் கலப்பு பயிர்களை உருவாக்குவதற்கான பரந்த ஆராய்ச்சியின் விளைவு ஆகும். கிரிஸ்டல், விவசாயிகள் மிக உயர் தரமான விதைகளைப் பெறுவதை உறுதி செய்வதற்காக விதை தயாரிப்பின் போது நவீன தொழில்நுட்பங்களைப் பயன்படுத்துகிறது. கிரிஸ்டலின் முள்ளங்கி விதைகள் உயிரி சார் & உயிரி சாரா தூழல்களில் தாக்கு பிடிக்கும் வகையில் மிகச் சிறந்த முளைத்தல் & வலிமை கொண்டவை.

மிகச் சிறந்த மகசூலைப் பெற, சிறந்த விவசாய நடைமுறைகளை மேற்கொள்ளுங்கள். பின்வரும் பொதுவான பரிந்துரைகள் வழங்கப்பட்டுள்ளது. எனவே, ஏதேனும் முடிவுகளை மேற்கொள்ளும் முன் இந்தப் பரிந்துரைகளைப் படிக்குமாறு கேட்டுக்கொள்கிறோம்.

கலப்பு முள்ளங்கி	ஹிமானி, Hyb. ஹிமானி, சுவாதி	பாலக் பட்டா	பூசா சேட்கி லாங்	Hyb. ஜோதா (பாலக் பட்டா)								
காலம்	45-55DAS	45-55DAS	45-55DAS	45-55DAS								
காரப்												
ராபி	ஆம்	ஆம்	ஆம்	ஆம்								
வசந்த காலம்	முன்கூட்டிய	முன்கூட்டிய	முன்கூட்டிய	முன்கூட்டிய								
பாசன ஆதாரம்	நிலம்	நிலம்	நிலம்	நிலம்								

வானிலை தூழல்களைப் பொறுத்து பயிர் வளர்ச்சி & முதிர்ச்சி மாறுபடலாம் என்பதைக் கவனத்தில் கொள்ளுங்கள்

வ.எண்.	விவரங்கள் / செயல்பாடுகள் / செய்முறை	செயல்முறைக்கான விவரங்கள். ஒரு ஏக்கருக்கான உர உள்ளீடு
1	பொருந்துகின்ற பரப்பளவு விவசாய காலநிலை மண்டலம்	முள்ளங்கியில் குளிர்ந்த காலநிலையை விரும்புகின்றன. மேலும், வெப்பத்தால் முன்கூட்டிய பூ வைக்கலாம், அது மோசமான வேர் வளர்ச்சிக்கு வழிவகுக்கலாம். குளிர்ந்த காலநிலையை விரும்புகிறது மற்றும் 10-24° C நன்றாக வளர்கிறது.
2	நிலம். மண்	நீர் தேங்காத மணல் போன்ற பசளை மற்றும் வண்டல் மண். மண்ணின் pH 5.5-7.0 இருந்தால் நல்லது.
3	பருவம். விதைத்தல்/நாற்று நடுவதற்கான நேரம்	சமவெளிகளில் செப்டம்பர்-மார்ச் நல்ல பருவம் ஆகும். மலை பகுதிகளில் குளிர்ந்த வானிலையில், முள்ளங்கி வருடம் முழுவதும் வளர்க்கலாம். தென் இந்தியாவில், ஏப்ரல்-ஜூன் மற்றும் அக்டோபர்-டிசம்பரில் வளர்க்கலாம்.
4	விதை விகிதம். விதைத்தல்/நாற்று நடும் முறை.	கலப்பு வகைகளில் 400-500 கிராம், வகைகளில் ஏக்கருக்கு 3.5 -4.5 கிலோ. நாற்றுகள் நடுவதற்கு மணல் மேடுகள் மற்றும் பள்ளங்கள் முறை
4	பிரதான நிலம் மற்றும் நாற்று நடுவதற்கான தயாரிப்பு	10 டன்கள் சிதைந்த தொழு உரம் (FYM) உரத்தை போட்டு அவை மண்ணில் கலக்க நிலத்தை நன்றாக பண்படுத்துங்கள். பள்ளங்கள் உரங்களின் அடி அளவைப் போட்டு உரத்தை மூடி விடுங்கள். விதைப்பிற்கு இரண்டு நாட்களுக்கு முன் நிலத்தில் பாசனம் செய்யுங்கள். மேலோட்டமான மணல் மேடுகளில் விதையை லேசாக ஊன்றுங்கள். பேசின் முறையிலான விதைப்பில், விரைவான மற்றும் சிறப்பான முளைத்தலுக்கு லேசான பாசனம் செய்யுங்கள்
5	இடைவெளி	வரிசை முதல் வரிசை வரை 30 செமீ; தாவரம் முதல் தாவரம் வரை: 5-10 செமீ
6	விதைப்பதற்கு முன்பான விதை தயாரிப்பு	கிலோவிற்கு 2 கிராம் என விதைகளை காப்டான் உடன் கலந்திடுங்கள்.
7	எருக்கள் மற்றும் உரங்கள்	* விதைப்பிற்கு முந்தைய அடி உரம் : 20:25:25 கிலோ என்பிகே (NPK) * முதல் உரமிடுதல் விதைத்த 20-25 நாட்களுக்குப் பின்: 25 கிலோ N
8	பாசன அட்டவணை	மண் வகையைப் பொறுத்து நிலத்தில் நீர் பாய்ச்சுங்கள். 5-6 நாட்களுக்கு ஒருமுறை லேசான மற்றும் அடிக்கடி பாசனம் செய்ய வேண்டும்.
9	களை அகற்றுதல்/ ஊடு பயிரிடுதல்	இரண்டு கைகளால் களைகள் பறிக்கப்பட வேண்டும். நிலத்தில் களைகள் இல்லாமல் வைத்திடுங்கள். தாவரம் முதல் தாவரம் வரையிலான 8-10 செமீ இடைவெளியைப் பராமரிக்க தாவரத்தை கத்தரித்து விடுங்கள்
10	நுண் ஊட்டச்சத்து/வளர்ச்சியை ஒழுங்குபடுத்தும் தெளிப்புகள்	நுண்ணூட்டக் குறைபாடு தென்பட்டால், மல்ட்டிபிளக்ஸ் (Multiplex)-தெளிப்பு அளிக்க வேண்டும்
11	பூச்சி மற்றும் நோய் கட்டுப்பாடு	இலைப்புள்ளி: மெத்திரம் (Metiram) 70% டபிள்யுஜி (WG) (லிட்டருக்கு 4 கிராம்) வெள்ளை துரு நோய்: மெத்திரம் (Metiram) 70% டபிள்யுஜி (WG) (லிட்டருக்கு 4 கிராம்) சாம்பல் நோய்: டெபுகோனசோல் 50% + டிரைபிளாக்சிஸ்ட்ரோபின் 25% டபிள்யுஜி (WG) (லிட்டருக்கு 0.5 முதல் 1 கிராம்) அல்லது குளோரோதலோனில் 75% டபிள்யுபி (WP) லிட்டருக்கு 1.0 மிலி தத்தும் இலை வண்டு: குளோர்பைரிபாஸ் லிட்டருக்கு 1 கிராம் இலைப்பேன்கள் / செடிப்பேன்கள் : ∴ப்ளோனிகாமிட் 50% டபிள்யுஜி (WG) (லிட்டருக்கு 0.5 கிராம்) அல்லது ∴ப்ளூபென்டியாமைடு 8.33 % + டெல்டாமெத்ரின் 5.56 % w/w எஸ்சி (SC) (லிட்டருக்கு 0.5 மிலி) சிலந்திப்பேன்: ஸ்பைரோமெசி∴பென் 22.90% எஸ்சி (SC) (லிட்டருக்கு 1.3 மிலி) நிலத்தில் பூச்சிகள் & நோய் தடுப்பு பற்றி மேலும் அறிய, உங்கள் உள்ளூர் விவசாய அலுவலர்களுடன் ஆலோசியுங்கள்.
12	அறுவடை	வேர்களோடு தாவரத்தை பிடுங்கி வேர்களைத் தனியாகப் பிரித்திடுங்கள்.
13	எதிர்பார்க்கப்படும் மகசூல்	சாதகமான நிலைகளில், சராசரியாக 6-10 டன் வேர்களைப் பெறலாம்.
14	சேமிப்பகம்	
15	செய்யக்கூடாதவை	
16	செய்ய வேண்டியவை	
குறிப்பு	மேற்கண்ட தகவல் ஒரு பொதுவான அறிவுறுத்தல். குறிப்பிட்ட பகுதிக்கான தனிப்பட்ட பரிந்துரைகளுக்கு, உங்களது மாநிலத்தில் இருக்கும் உள்ளூர் விவசாயத் துறையைத் தொடர்பு கொள்ளுங்கள்.	
முன்னெச்சரிக்கை நடவடிக்கைகள்	பல்வேறு காரணிகளால், பயிர் வளர்ச்சி மற்றும் மகசூல் பாதிக்கப்படலாம். எனவே, ஆலோசனைக்காக உங்கள் உள்ளூர் விவசாய அலுவலரைச் சந்தித்து பேசுவது பரிந்துரைக்கப்படுகிறது. உயர் தர உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிகள் மட்டுமே பயன்படுத்தப்படுகிறது என்பதை உறுதி செய்யுங்கள். விதைகள், உரங்கள் மற்றும் பூச்சிக்கொல்லிகள் வாங்கிய ரசீதுகளைத் தக்க வைத்துக்கொள்ளுங்கள்.	

CRYSTAL
Inspiring Growth

I&B Seeds
INDUS SEEDS

ਮੂਲੀ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਦੇ ਤਰੀਕੇ

ਵਧਾਈਆਂ ਹੋਣ! ਤੁਸੀਂ ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਪਰਿਵਾਰ ਵਿੱਚੋਂ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਮੂਲੀ ਦੇ ਬੀਜਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਬੀਜ ਚੁਣਿਆ ਹੈ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਕੰਪਨੀ ਕੋਲ ਉੱਚ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਮੂਲੀ ਦੇ ਬੀਜ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦਾ ਭਰਪੂਰ ਤਜਰਬਾ ਹੈ। ਇਹ ਬੀਜ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਵਧ ਰਹੇ ਮੌਸਮਾਂ ਲਈ ਵਾਜਬ ਉੱਚ-ਉਪਜ ਦੇਣ ਵਾਲੀਆਂ ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਫਸਲਾਂ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਵਿਆਪਕ ਖੋਜ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਹਨ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਬੀਜ ਦੇ ਉਤਪਾਦਨ ਦੌਰਾਨ ਨਵੀਨਤਮ ਤਕਨਾਲੋਜੀ ਅਪਣਾਉਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕਿ ਇਹ ਗੱਲ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਈ ਜਾ ਸਕੇ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਬੀਜ ਮਿਲ ਸਕਣ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਮੂਲੀ ਦੇ ਬੀਜਾਂ ਵਿੱਚ ਉਗਣ ਦੀ ਉੱਚ ਸਮਰੱਥਾ, ਬੂਟਿਆਂ ਦਾ ਮਜ਼ਬੂਤ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਰੋਗ ਅਤੇ ਵਾਤਾਵਰਣ ਦੇ ਤਣਾਅ ਪ੍ਰਤੀ ਚੰਗੀ ਸਹਿਣਸ਼ੀਲਤਾ ਹੁੰਦੀ ਹੈ।
ਚੰਗੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਖੇਤੀ ਅਭਿਆਸਾਂ ਦਾ ਪਾਲਣ ਕਰੋ। ਹੇਠਾਂ ਕੁਝ ਆਮ ਸੁਝਾਅ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਕੋਈ ਵੀ ਫੈਸਲਾ ਲੈਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹੋ।

ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਮੂਲੀ	ਹਿਮਾਨੀ' ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ . ਹਿਮਾਨੀ' ਸ੍ਰਾਤਿ	ਪਾਲਕ ਪੜ੍ਤਾ	ਪੂਸਾ ਚੇਤਕੀ ਲਾਨ੍ਗ	ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ . ਜੋਧਾ (ਪਾਲਕ ਪੜ੍ਤਾ)								
ਮਿਆਦ	45-55DAS	45-55DAS	45-55DAS	45-55DAS								
ਖ਼ਰੀਫ												
ਰਬੀ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ	ਹਾਂ								
ਸਪ੍ਰਿੰਗ	ਜਲਦੀ	ਜਲਦੀ	ਜਲਦੀ	ਜਲਦੀ								
ਸਿੰਚਾਈ ਦਾ ਸਰੋਤ	ਜ਼ਮੀਨ	ਜ਼ਮੀਨ	ਜ਼ਮੀਨ	ਜ਼ਮੀਨ								

ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਧਿਆਨ ਦਿਓ ਕਿ ਫਸਲ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਪਰਿਪੱਕਤਾ ਮੌਸਮ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ।

ਸੀਰੀਅਲ ਨੰ.	ਵੇਰਵੇ/ਕਾਰਜ/ਅਭਿਆਸ	ਕੰਮਕਾਜ ਦੇ ਵੇਰਵੇ। ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ ਇਨਪੁਟ
1	ਖੇਤਰ ਲਈ ਅਨੁਕੂਲਤਾ। ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਜਲਵਾਯੂ ਖੇਤਰ	ਮੂਲੀਆਂ ਠੰਢੇ ਮੌਸਮ ਵਿੱਚ ਲਗਾਈ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ਅਤੇ ਗਰਮੀਆਂ ਵਿੱਚ ਜਲਦੀ ਫੁੱਲ (ਬੀਜ ਬਣਨ ਦੀ ਪ੍ਰਕਿਰਿਆ) ਦੇ ਕਾਰਨ, ਜੜ੍ਹ ਸਹੀ ਢੰਗ ਨਾਲ ਵਿਕਸਤ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦੀ। ਇਹ ਠੰਢੇ ਮੌਸਮ ਵਿੱਚ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਵਧਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਇਸਦੇ ਲਈ ਆਦਰਸ਼ ਤਾਪਮਾਨ 10-240 C ਹੈ।
2	ਜ਼ਮੀਨ। ਮਿੱਟੀ	ਮੂਲੀ ਲਈ ਚੰਗੀ ਨਿਕਾਸ ਵਾਲੀ ਰੇਤਲੀ ਦੋਮਟ ਅਤੇ ਜਲੋੜ ਵਾਲੀ ਮਿੱਟੀ ਢੁਕਵੀਂ ਹੈ ਅਤੇ pH 5.5-7.0 ਨੂੰ ਇਸਦੇ ਲਈ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਮੰਨਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ।
3	ਮੌਸਮ। ਬਿਜਾਈ/ਲਗਾਉਣ ਦਾ ਸਮਾਂ	ਸਤੰਬਰ ਤੋਂ ਮਾਰਚ ਦਾ ਸਮਾਂ ਮੈਦਾਨੀ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿੱਚ ਮੂਲੀ ਦੀ ਬਿਜਾਈ ਲਈ ਵਾਜਬ ਹੈ। ਠੰਢੇ ਮੌਸਮ ਵਾਲੇ ਪਹਾੜੀ ਇਲਾਕਿਆਂ ਵਿੱਚ, ਮੂਲੀ ਸਾਲ ਭਰ ਉਗਾਈ ਜਾ ਸਕਦੀ ਹੈ। ਦੱਖਣੀ ਭਾਰਤ ਵਿੱਚ, ਇਸਨੂੰ ਅਪ੍ਰੈਲ-ਜੂਨ ਅਤੇ ਅਕਤੂਬਰ-ਦਸੰਬਰ ਵਿੱਚ ਉਗਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ।
4	ਬੀਜ ਦੀ ਦਰ। ਬਿਜਾਈ/ਲਾਉਣ ਦਾ ਤਰੀਕਾ।	ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਕਿਸਮਾਂ ਵਿੱਚ 400-500 ਗ੍ਰਾਮ, ਕਿਸਮਾਂ ਵਿੱਚ 3.5-4.5 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ / ਏਕੜ। ਬੂਟੇ ਲਾਉਣ ਲਈ ਵੱਟਾਂ ਅਤੇ ਨਾਲੀਆਂ ਦਾ ਤਰੀਕਾ ਅਪਣਾਓ
4	ਮੁੱਖ ਖੇਤ ਦੀ ਤਿਆਰੀ ਅਤੇ ਬਿਜਾਈ	10 ਟਨ ਸੜੀ ਹੋਈ ਰੂੜੀ ਪਾਓ ਅਤੇ ਇਸ ਲਈ ਹਲ ਵਾਹੋ ਤਾਂ ਜੋ ਇਹ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਰਲ ਜਾਵੇ। ਨਾਲੀਆਂ ਵਿੱਚ ਬੇਸਲ ਖੁਰਾਕ ਵਜੋਂ ਖਾਦ ਪਾਓ ਅਤੇ ਢੱਕ ਦਿਓ। ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਦੋ ਦਿਨ ਪਹਿਲਾਂ ਖੇਤ ਨੂੰ ਸਿੰਜ ਦਿਓ। ਨਾਲੀਆਂ ਵਿੱਚ ਘੱਟ ਬੀਜ ਬੀਜਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਬੇਸਿਨ ਬਿਜਾਈ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿੱਚ, ਜਲਦੀ ਅਤੇ ਬਿਹਤਰ ਪੁੰਗਰਨ ਲਈ ਹਲਕੀ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ।
5	ਬੂਟਿਆਂ ਵਿਚਕਾਰ ਦੂਰੀ	ਕਤਾਰ ਤੋਂ ਕਤਾਰ 30 ਸੈ.ਮੀ.; ਬੂਟੇ ਤੋਂ ਬੂਟੇ ਤੱਕ: 5-10 ਸੈ.ਮੀ.
6	ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਬੀਜ ਦਾ ਉਪਚਾਰ	ਬੀਜਾਂ ਦਾ ਉਪਚਾਰ ਕੈਪਟਨ 2 ਗ੍ਰਾਮ/ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ ਦੀ ਦਰ ਨਾਲ ਕਰੋ।
7	ਜੈਵਿਕ ਅਤੇ ਰਸਾਇਣਕ ਖਾਦ	* ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਮੂਲ ਖੁਰਾਕ: 20:25:25 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ NPK * ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ 20-25 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ ਪਹਿਲੀ ਟਾਪ ਡਰੈਸਿੰਗ: 25 ਕਿਲੋ ਨਾਈਟ੍ਰੋਜਨ
8	ਸਿੰਚਾਈ ਦੀ ਸਮਾਂ-ਸਾਰਣੀ	ਮਿੱਟੀ ਦੀ ਕਿਸਮ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਖੇਤ ਦੀ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ। 5-6 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਤਰਾਲ 'ਤੇ ਇੱਕ ਵਾਰ ਹਲਕੀ ਅਤੇ ਵਾਰ-ਵਾਰ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ।
9	ਖੇਤ ਦੀ ਨਦੀਨ-ਨਾਸ਼ਕੀ/ ਰੁਕ-ਰੁਕ ਕੇ ਵਾਹੀ	ਦੋ ਵਾਰ ਹੱਥ ਨਾਲ ਘਾਹ ਕੱਢਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਕਿਸੇ ਵੀ ਕਿਸਮ ਦੀ ਨਦੀਨ ਨਾ ਉੱਗਣ ਦਿਓ। ਬੂਟੇ ਤੋਂ ਬੂਟੇ ਦੀ ਦੂਰੀ 8-10 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ ਬਣਾਈ ਰੱਖਣ ਲਈ ਬੂਟਿਆਂ ਨੂੰ ਪਤਲਾ ਕਰੋ
10	ਪੌਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤਾਂ/ਵਿਕਾਸ ਰੈਗੂਲੇਟਰਾਂ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ	ਜੇ ਸੂਖਮ ਪੌਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤਾਂ ਦੀ ਘਾਟ ਦੇਖੀ ਜਾਵੇ, ਤਾਂ ਮਲਟੀਪਲੈਕਸ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰੋ
11	ਕੀਟ ਅਤੇ ਰੋਗ ਨਿਯੰਤਰਣ	ਲੀਫ ਸਪਾਟ: ਮੇਟਿਰਾਮ 70%WG (4 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ) ਵਾਈਟ ਰਸਟ: ਮੇਟਿਰਾਮ 70%WG (4 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ) ਡਾਊਨੀ ਫ਼ਫ਼ੂੰਦੀ: ਟੈਬੂਕੋਨਾਜ਼ੋਲ 50% + ਟ੍ਰਾਈਫਲੋਕਸੀਸਟ੍ਰੋਬਿਨ 25% WG (0.5 ਤੋਂ 1 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ) ਜਾਂ ਕਲੋਰੋਥੈਲੋਨਿਲ 75% WP 1.0 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ ਫਲੀ ਬੀਟਲ: ਕਲੋਰਪਾਈਰੀਫੋਸ 1/ਲੀਟਰ ਥ੍ਰਿਪਸ/ਐਫਿਡਜ਼: ਫਲੋਨੀਕਾਮਿਡ 50% WG (0.5 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ) ਜਾਂ ਫਲੂਬੈਂਡੀਅਮਾਈਡ 8.33% + ਡੈਲਟਾਮੇਥਰਿਨ 5.56% % w/w SC (0.5 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ) ਕੀਟ: ਸਪਾਈਰੋਮੇਸੀਫੇਨ 22.90% SC (1.3 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ) ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਬਿਮਾਰੀ ਅਤੇ ਨਿਯੰਤਰਣ ਬਾਰੇ ਵਧੇਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲਓ।
12	ਵਾਢੀ	ਬੂਟਿਆਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀਆਂ ਜੜ੍ਹਾਂ ਸਮੇਤ ਪੁੱਟ ਦਿਓ ਅਤੇ ਜੜ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਵੱਖ ਕਰੋ।
13	ਅਨੁਮਾਨਿਤ ਝਾੜ	ਜੇ ਸਾਰੀਆਂ ਸਥਿਤੀਆਂ ਅਨੁਕੂਲ ਹੋਣ, ਤਾਂ ਮੂਲੀ ਦਾ ਔਸਤ ਝਾੜ 6-10 ਟਨ ਹੁੰਦਾ ਹੈ।
14	ਸਟੋਰੇਜ	
15	ਕੀ ਨਾ ਕਰੋ	
16	ਕੀ ਕਰੋ	
ਨੋਟ	ਇਹ ਜਾਣਕਾਰੀ ਸਿਰਫ਼ ਆਮ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ ਹੈ। ਕਿਸੇ ਖਾਸ ਖੇਤਰ ਲਈ ਖਾਸ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਰਾਜ ਦੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿਭਾਗ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਕਰੋ।	
ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ	ਕਈ ਕਾਰਨਾਂ ਕਰਕੇ ਫਸਲਾਂ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਝਾੜ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਲਈ, ਸਲਾਹ ਲਈ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਨਾਲ ਗੱਲ ਕਰਨ ਦੀ ਸਲਾਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਓ ਕਿ ਸਿਰਫ਼ ਚੰਗੀ ਕੁਆਲਿਟੀ ਦੀਆਂ ਖਾਦਾਂ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ। ਬੀਜ, ਖਾਦ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਖਰੀਦ ਦੇ ਬਿੱਲਾਂ ਨੂੰ ਸੰਭਾਲ ਕੇ ਰੱਖੋ।	

CRYSTAL
Inspiring Growth

I&B Seeds
INDUS SEEDS | SEED PLANT SCIENCE

মূলা- চাষের নিয়মাবলি

অভিনন্দন! আপনি ক্রিস্টাল পরিবারের অন্যতম উৎকৃষ্ট মূলার বীজগুলি নির্বাচন করেছেন। উচ্চমানের মূলা বীজগুলি উৎপাদনে ক্রিস্টালের নির্ভরযোগ্য অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজগুলি ব্যাপক গবেষণার ফলাফল, যার উদ্দেশ্য বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুর উপযোগী, উচ্চফলনশীল হাইব্রিড ফসলের উন্নয়ন। কৃষকেরা যাতে সর্বোচ্চ মানের বীজগুলি পান তা নিশ্চিত করতে উৎপাদনের সময় ক্রিস্টাল সর্বাধুনিক প্রযুক্তিগুলি গ্রহণ করে। ক্রিস্টালের মূলা বীজগুলি জীবজ এবং অজীবজ প্রতিকূলতার প্রতি সহনশীলতা সহ উৎকৃষ্ট অঙ্কুরোদগম এবং শক্তিশালী উদ্ভিদের বিকাশ প্রদান করে।
অনুগ্রহ করে চমৎকার ফলন পেতে সর্বোত্তম কৃষি পদ্ধতি গ্রহণ করুন। নিচে কিছু সাধারণ পরামর্শ দেওয়া হল, তাই আমরা আপনাকে বলছি অনুগ্রহ করে কোনো সিদ্ধান্ত নেওয়ার আগে পরামর্শগুলি পড়ুন।

হাইব্রিড মূলা	হিমানী, হাইব্রিড. হিমানী, স্ভাতি	পালক পত্তা	পূসা চেতকী লান্‌গ	হাইব্রিড. জোধা (পালক পত্তা)								
সময়সীমা	45-55DAS	45-55DAS	45-55DAS	45-55DAS								
খরিফ												
রবি	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ	হ্যাঁ								
বসন্ত	দ্রুত	দ্রুত	দ্রুত	দ্রুত								
সেচের উৎ	মাঠ	মাঠ	মাঠ	মাঠ								

অনুগ্রহ করে মনে রাখবেন যে আবহাওয়ার পরিস্থিতি অনুযায়ী ফসলের বিকাশ ও পক্কতা আসার সময় ভিন্ন হতে পারে

ক্রমিক নম্বর	বিস্তারিত/ অপারেশন/ পদ্ধতি	প্রতি একর ইনপুটে অপারেশনের বিশদ
1	এলাকার জন্য উপযুক্ততা। কৃষি জলবায়ু জোন	মূলা ঠান্ডা আবহাওয়াকে পছন্দ করে এবং তাপে দ্রুত বোল্ট করে, যার ফলে মূলের উন্নয়ন ভালো হয় না। ঠান্ডা আবহাওয়া পছন্দ করে এবং 10-240 C তাপমাত্রায় সবচেয়ে ভালো বিকাশ পায়।
2	জমি। মাটি	ভালোভাবে নিষ্কাশনযোগ্য বালিমিশ্রিত মাটি এবং নদীর তীরের উর্বর মাটি। মাটির Ph 5.5 থেকে 7.0 আদর্শ।
3	ঋতু। বপন/রোপণের সময়	সমতলে সেপ্টেম্বর থেকে মার্চ পর্যন্ত আদর্শ ঋতু। ঠান্ডা আবহাওয়াযুক্ত পাহাড়ি অঞ্চলে, মূলা সারাবছর চাষ করা যায়। দক্ষিণ ভারতে, এটি এপ্রিল-জুন এবং অক্টোবর-ডিসেম্বর পর্যন্ত চাষ করা যায়।
4	বীজের হার। বপন/রোপণের পদ্ধতি।	[illegible] 400-500গ্রাম; [illegible] 3.5 -4.5 কেজি/একর। [illegible] রিজ এবং ফারো পদ্ধতি
4	মূল ক্ষেতের প্রস্তুতি এবং রোপণ	মাটিতে মেশানোর জন্য 10 টন পচা FYM প্রয়োগের পর হ্যারোয়িং করুন। ফারোতে বেসাল ডোজ প্রয়োগ করুন সারটি ঢেকে দিন। বপনের দুই দিন আগে মাঠে সেচ দিন। উঁচু এবং গভীর নয় এমন রিজে বীজ পাতলা করে রোপণ করুন। বপনের বেসিন পদ্ধতিতে, দ্রুত এবং ভালো অঙ্কুরোদগমের জন্য হালকা সেচ দিন
5	ফাঁক	সারি থেকে সারি 30সেন্টিমিটার; উদ্ভিদ থেকে উদ্ভিদ: 5-10 সেন্টিমিটার
6	বপনের আগে বীজের পরিচর্যা	বীজকে ক্যাপটান 2 গ্রাম/কেজি দিয়ে প্রক্রিয়াজাত করুন।
7	জৈব এবং রাসায়নিক সার	* বপনের আগে বেসাল ডোজ: 20:25:25 কেজি NPK * বপনের 20-25 দিন পর প্রথম শীর্ষ ড্রেসিং: 25 কেজি N
8	সেচের সময়সূচী	মাটির ধরন অনুযায়ী ক্ষেতে সেচ করুন। প্রতি 5-6 দিনের ব্যবধানে হালকা এবং ঘন ঘন সেচ করুন।
9	আগাছা নিবারণ/ মধ্যশস্য পরিচর্যা	দুই হাত দিয়ে আগাছা নিবারণ করা প্রয়োজন। প্লটগুলি আগাছামুক্ত রাখুন। গাছ পাতলা করে 8-10 সেন্টিমিটার গাছ থেকে গাছের দূরত্ব বজায় রাখুন।
10	ক্ষুদ্রপুষ্টি/বিকাশ নিয়ন্ত্রক ছিটান	যদি মাইক্রোনিউট্রিয়েন্টে ঘাটতি লক্ষ্য করা যায় তাহলে মাল্টিপ্লেক্স ছিটান
11	কীট এবং রোগ নিয়ন্ত্রণ	পাতার দাগ: মেটিরাম 70%WG (4 গ্রাম প্রতি লিটার) সাদা মরিচা: মেটিরাম 70%WG (4 গ্রাম প্রতি লিটার) ডাউনি মিলডিউ: টেবুকোনাজল 50% + ট্রাইফ্লক্সিস্ট্রোবিন 25% WG (0.5 থেকে 1 গ্রাম প্রতি লিটার) অথবা ক্লোরোথালোনিল 75% WP 1.0 মিলিলিটার/লিটার ফ্লি বিটল: ক্লোরপাইরিফস 1গ্রাম/লিটার থ্রিপস /এফিডস: ফ্লোনিকামিড 50 % WG (0.5 গ্রাম/লিটার) অথবা ফ্লুবেনডিয়ামাইড 8.33 % + ডেল্টামেথ্রিন 5.56 % w/w SC (0.5 মিলিলিটার/লিটার) মাইটস: স্পাইরোমেসিফেন 22.90 % SC (1.3 মিলিলিটার/লিটার) ক্ষেতের রোগ এবং কীট নিয়ন্ত্রণ সম্পর্কে আরও তথ্যের জন্য, অনুগ্রহ করে আপনার স্থানীয় কৃষি অফিসারদের সঙ্গে পরামর্শ করুন।
12	ফসল কাটা	গাছটি মাটি সহ তুলে নিন এবং মূল আলাদা করুন।
13	প্রত্যাশিত ফলন	গড় ফলন 6-10 t মূল, আদর্শ অবস্থায়।
14	সংরক্ষণ	
15	করবেন না	
16	করবেন	
দ্রষ্টব্য	উপরের তথ্যটি একটি সাধারণ পরামর্শ। নির্দিষ্ট এলাকার জন্য বিশেষ সুপারিশের জন্য, অনুগ্রহ করে স্থানীয় রাজ্য কৃষি দপ্তরের সঙ্গে যোগাযোগ করুন।	
সতর্কতা	ফসলের বিকাশ এবং ফলন বিভিন্ন উপাদানের দ্বারা প্রভাবিত হতে পারে। অতএব, পরামর্শের জন্য আপনার স্থানীয় কৃষি অফিসারের সঙ্গে যোগাযোগ করা সুপারিশ করা হচ্ছে। নিশ্চিত করুন যে শুধুমাত্র উচ্চমানের সার এবং কীটনাশক ব্যবহার করা হচ্ছে। বীজ, সার এবং কোটনাশক ক্রয় করার রশিদ রাখুন।	

ମୂଳା-ଉନ୍ନତ କୃଷି ପ୍ରଣାଳୀ

ଅଭିନନ୍ଦନ! ଆପଣ କ୍ରିଷ୍ଟାଲ ପରିବାରର ସବୁଠାରୁ ଭଲ ମୂଳା ମଞ୍ଜି ମଧ୍ୟରୁ ଗୋଟିଏ ବାଛିଛନ୍ତି। ଉଚ୍ଚମାନର ମୂଳା ମଞ୍ଜି ଉତ୍ପାଦନ କରିବାରେ କ୍ରିଷ୍ଟାଲର ଦୃଢ଼ ଅଭିଜ୍ଞତା ରହିଛି। ଏହି ବିହନଗୁଡ଼ିକ ବ୍ୟାପକ ଗବେଷଣାର ଫଳାଫଳ, ଯାହାର ଲକ୍ଷ୍ୟ ବିଭିନ୍ନ କୃଷି ଜଳବାୟୁ ପାଇଁ ଉପଯୁକ୍ତ ଉଚ୍ଚ-ଅମଳକ୍ଷମ ହାଇବ୍ରିଡ୍ ଫସଲ ବିକଶିତ କରିବା ଅଟେ। ଚାଷୀମାନେ ସର୍ବୋଚ୍ଚ ଗୁଣବତ୍ତାର ବିହନ ପାଇବା ନିଶ୍ଚିତ କରିବା ପାଇଁ କ୍ରିଷ୍ଟାଲ୍ ବିହନ ଉତ୍ପାଦନ ସମୟରେ ନୂତନତମ ପ୍ରଯୁକ୍ତିବିଦ୍ୟା ଗ୍ରହଣ କରେ। କ୍ରିଷ୍ଟାଲର ମୂଳା ମଞ୍ଜି ଜୈବ ଏବଂ ଅଜୈବିକ ଚାପ ପ୍ରତି ସହନଶୀଳତା ସହିତ ଉତ୍କୃଷ୍ଟ ଅଙ୍କୁରୋଦଗମ ଏବଂ ଉନ୍ନତ ଶକ୍ତି ପ୍ରଦାନ କରିଥାଏ।
ଉତ୍କୃଷ୍ଟ ଅମଳ ପାଇବା ପାଇଁ ଦୟାକରି ସର୍ବୋତ୍ତମ କୃଷି ପଦ୍ଧତି ଗ୍ରହଣ କରନ୍ତୁ। ନିମ୍ନଲିଖିତ ସାଧାରଣ ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକ ପ୍ରଦାନ କରାଯାଇଛି, ତେଣୁ କୌଣସି ନିଷ୍ପତ୍ତି ନେବା ପୂର୍ବରୁ ଏହି ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକୁ ପଢ଼ି ନେବାକୁ ଆମେ ଆପଣଙ୍କୁ ଅନୁରୋଧ କରୁଛୁ।

ମୂଳା ହାଇବ୍ରିଡ୍	ହିମାନି, Hyb. ହିମାନି, ସ୍ୱାଥି	ପାଲକ ପତ୍ରା	ପୁସା ଚେଟକି ଲଙ୍ଗ୍	Hyb. ଯୋଧା (ପାଲକ ପତ୍ରା)							
ଅବଧି	45-55DAS	45-55DAS	45-55DAS	45-55DAS							
ଖରିଫ											
ରବି	ହଁ	ହଁ	ହଁ	ହଁ							
ବସନ୍ତ	ପ୍ରାରମ୍ଭରେ	ପ୍ରାରମ୍ଭରେ	ପ୍ରାରମ୍ଭରେ	ପ୍ରାରମ୍ଭରେ							
ଜଳସେଚନର ଉତ୍ସ	ଭୂମି	ଭୂମି	ଭୂମି	ଭୂମି							

ଦୟାକରି ଧ୍ୟାନ ଦିଅନ୍ତୁ ଯେ ପାଣିପାଗ ପରିସ୍ଥିତି ଅନୁସାରେ ଫସଲର ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ପରିପକ୍ୱତା ଭିନ୍ନ ହୋଇପାରେ।

କ୍ରମିକ ସଂଖ୍ୟା	ବିବରଣୀ / କାର୍ଯ୍ୟ / ଅଭ୍ୟାସ	କାର୍ଯ୍ୟର ବିବରଣୀ। ପ୍ରତି ଏକର ଇନପୁଟ୍
1	ଅଞ୍ଚଳ ପାଇଁ ଉପଯୁକ୍ତ। କୃଷି ଜଳବାୟୁ ଅଞ୍ଚଳ	ମୂଳା ଥଣ୍ଡା ପାଗକୁ ପସନ୍ଦ କରେ ଏବଂ ଗରମରେ ଶୀଘ୍ର ଫୁଲ ଆସିଯାଏ (ବୀଜକୁ ଯାଇପାରେ), ଯାହାର ଫଳରେ ମୂଳର ବିକାଶ ଠିକ୍ ଭାବରେ ହୁଏ ନାହିଁ। ଏହା ଥଣ୍ଡା ପାଗରେ ଭଲ ବୃଦ୍ଧି କରେ ଏବଂ 10-24° C ତାପମାନରେ ଭଲ ବଢିଥାଏ।
2	ଭୂମି/ମାଟି	ଭଲ ଭାବେ ଜଳ ନିଷ୍କାସନ ହେଉଥିବା ବାଲୁକାମୟ ଦୋଆଁଶ ଏବଂ ପଲଳ ମୃତ୍ତିକା ଅଟେ। ମୃତ୍ତିକା ପାଇଁ ପିଏଚ୍ 5.5 ରୁ 7.0 ଉପଯୁକ୍ତ ଅଟେ।
3	ବୁଣିବା ଋତୁ/ରୋପଣ ସମୟ	ସମତଳ ଅଞ୍ଚଳରେ ସେପ୍ଟେମ୍ବର-ମାର୍ଚ୍ଚ ହେଉଛି ଆଦର୍ଶ ଋତୁ। ଥଣ୍ଡା ପାଗ ଥିବା ପାହାଡ଼ିଆ ଅଞ୍ଚଳରେ, ମୂଳା ବର୍ଷସାରା ଚାଷ କରାଯାଇପାରିବ। ଦକ୍ଷିଣ ଭାରତରେ ଏହା ଏପ୍ରିଲ-ଜୁନ ଏବଂ ଅକ୍ଟୋବର-ଡିସେମ୍ବର ମାସରେ ଚାଷ କରାଯାଇପାରିବ।
4	ବିହନ ହାର ବୁଣିବା/ରୋପଣ ପଦ୍ଧତି	ହାଇବ୍ରିଡ୍ ପାଇଁ 400–500 ଗ୍ରାମ ଏବଂ ଅନ୍ୟ କିସମ ପାଇଁ 3.5–4.5 କିଲୋଗ୍ରାମ ପ୍ରତି ଏକର ଆବଶ୍ୟକ ହୋଇଥାଏ। ରୋପଣ ପାଇଁ ଉଚ୍ଚ ଧାଡ଼ି ଓ ନଳି ପଦ୍ଧତି
4	ମୁଖ୍ୟ କ୍ଷେତ ପ୍ରସ୍ତୁତି ଏବଂ ରୋପଣ	୧୦ ଟନ୍ ପଚିଯାଇଥିବା ଏଫ. ୱାଇ. ଏମ (FYM) ପ୍ରୟୋଗ କରନ୍ତୁ ଏବଂ ତା'ପରେ ମାଟିରେ ମିଶ୍ରଣ ପାଇଁ ହାରୋଇଂ କରନ୍ତୁ। କ୍ଷୁରରେ ସାରର ମୂଳ ମାତ୍ରା ପ୍ରୋୟୋଗ କରି ସାରକୁ ଆଚ୍ଛାଦନ କରନ୍ତୁ। ବୁଣିବାର ଦୁଇ ଦିନ ପୂର୍ବରୁ କ୍ଷେତକୁ ଜଳସେଚନ କରନ୍ତୁ। ମଞ୍ଜିକୁ କମ ଉଚ୍ଚତାରେ ପତଳାଭାବେ ଗାତ କରି ଲଗାଇବା। ଗଡ଼ିଆ ପଦ୍ଧତିରେ ବୁଣିବା କ୍ଷେତ୍ରରେ, ଶୀଘ୍ର ଏବଂ ଉତ୍ତମ ଅଙ୍କୁରୋଦଗମ ପାଇଁ ହାଲୁକା ଜଳସେଚନ କରନ୍ତୁ।
5	ବ୍ୟବଧାନ	ଧାଡ଼ି ରୁ ଧାଡ଼ି 30 ସେ.ମି; ଗଛ ଲଗାଇବା ପାଇଁ: 5-10 ସେ.ମି
6	ବୁଣିବା ପୂର୍ବରୁ ବିହନ ଉପଚାର	କ୍ୟାପଟନ 2 ଗ୍ରାମ/କିଲୋଗ୍ରାମ ସହିତ ବୀଜ ଚିକିତ୍ସା।
7	ଖତ ଏବଂ ସାର	* ବୁଣିବା ପୂର୍ବରୁ ବାସାଲ୍ ମାତ୍ରା 20:25:25 କିଗ୍ରା NPK * ବୁଣିବା ପରେ 20-25 ଦିନ ପରେ ପ୍ରଥମ ଟପ୍ ଡ୍ରେସିଂ: 25 କେଜି [ନାଇଟ୍ରୋଜେନ (N)]
8	ଜଳସେଚନ ସମୟସୂଚୀ	ମାଟିର ପ୍ରକାର ଉପରେ ନିର୍ଭର କରି କ୍ଷେତକୁ ଜଳସେଚନ କରନ୍ତୁ। ହାଲୁକା ଏବଂ ବାରମ୍ବାର ଜଳସେଚନ 5-6 ଦିନ ବ୍ୟବଧାନରେ ଥରେ କରାଯାଏ।
9	ଘାସ ବାଛିବା/ଅନ୍ତଃଚାଷ	୨ ଥର ଜମିରୁ ହାତରେ ଘାସ କାଢ଼ନ୍ତୁ। ଜମିକୁ ଘାସ ମୁକ୍ତ ରଖନ୍ତୁ। 8-10 ସେ. ମି. ବ୍ୟବଧାନରେ ଗଛ ଲଗାଇବା ପାଇଁ ଗଛକୁ ପତଳା କରନ୍ତୁ
10	ସୂକ୍ଷ୍ମ ପୋଷକ ତତ୍ତ୍ୱ/ବୃଦ୍ଧି ନିୟାମକ ସିଞ୍ଚନ	ମଲ୍ଟିପ୍ଲେକ୍ସ-ସ୍ପ୍ରେ ଯଦି ସୂକ୍ଷ୍ମ ପୋଷକ ତତ୍ତ୍ୱର ଅଭାବ ପରିଲକ୍ଷିତ ହୁଏ
11	କୀଟପତଙ୍ଗ ଏବଂ ରୋଗ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ	ପତ୍ର ଦାଗ : ମେଟିରାମ୍ 70% WG (ଲିଟର ପିଛା 4 ଗ୍ରାମ) ଧଳା ରଷ୍ଟ: ମେଟିରାମ୍ 70% WG (ଲିଟର ପିଛା 4 ଗ୍ରାମ) ଡାଉନି ମାଇଲଡ୍ୟୁ: ଟିବୁକୋନାଜୋଲ 50% + ଟ୍ରାଇଫ୍ଲୋକ୍ସିଷ୍ଟ୍ରୋବିନ 25% WG (ଲିଟର ପିଛା 0.5 ରୁ 1 ଗ୍ରାମ) କିମ୍ବା କ୍ଲୋରୋଥାଲୋନିଲ 75% WP 1.0 ମିଲି/ଲିଟର ଫ୍ଲି ବିଟଲ: କ୍ଲୋରପିରିଫସ୍ 1 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର ଥ୍ରିପ୍ସ / ଏଫଡ୍ସ: ଫ୍ଲୋନିକାମିଡ୍ ୫୦% ଡବ୍ଲ୍ୟୁଜି (WG) (୦.୫ ଗ୍ରାମ/ଲିଟର) କିମ୍ବା ଫ୍ଲୁବେଣ୍ଡିଆମାଇଡ୍ ୮.୩୩% + ଡେଲ୍ଟାମେଥ୍ରିନ୍ ୫.୫୬% ଡବ୍ଲ୍ୟୁ/ଡବ୍ଲ୍ୟୁ (w/w) ଏସସି (SC) (୦.୫ ମିଲି/ଲିଟର) ମାଇଟ୍ସ: ସ୍ପାଇରୋମେସିଫେନ୍ ୨୨.୯୦% ଏସସି (SC) (୧.୩ ମିଲି/ଲିଟର) କ୍ଷେତରେ ରୋଗ ଏବଂ କୀଟପତଙ୍ଗ ନିୟନ୍ତ୍ରଣ ବିଷୟରେ ଅଧିକ ସୂଚନା ପାଇଁ, ଦୟାକରି ଆପଣଙ୍କର ସ୍ଥାନୀୟ କୃଷି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହିତ ପରାମର୍ଶ କରନ୍ତୁ।
12	ଅମଳ	ଗଛଗୁଡ଼ିକୁ ମୂଳ ସହିତ ଉପାଡ଼ନ୍ତୁ ଏବଂ ମୂଳଗୁଡ଼ିକୁ ଅଲଗା କରନ୍ତୁ।
13	ଆଶାକରାଯାଇଥିବା ଲାଭ	ଆଦର୍ଶ ପରିସ୍ଥିତିରେ ହାରାହାରି ଉତ୍ପାଦନ 6-10 ଟନ୍ ମୂଳ ଅଟେ।
14	ସଂରକ୍ଷଣ	
15	କରନ୍ତୁ ନାହିଁ	
16	କରନ୍ତୁ	
ଟିପ୍ପଣୀ	ଉପରୋକ୍ତ ସୂଚନା ଏକ ସାଧାରଣ ପରାମର୍ଶ ଅଟେ। ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ଅଞ୍ଚଳର ନିର୍ଦ୍ଦିଷ୍ଟ ସୁପାରିଶ ପାଇଁ, ଦୟାକରି ଆପଣଙ୍କ ସ୍ଥାନୀୟ ରାଜ୍ୟ କୃଷି ବିଭାଗ ସହିତ ଯୋଗାଯୋଗ କରନ୍ତୁ।	
ସତର୍କତା	ଫସଲର ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ଅମଳ ବିଭିନ୍ନ କାରଣ ଦ୍ୱାରା ପ୍ରଭାବିତ ହୋଇପାରେ। ତେଣୁ, ପରାମର୍ଶ ପାଇଁ ଆପଣଙ୍କ ସ୍ଥାନୀୟ କୃଷି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହିତ ପରାମର୍ଶ କରିବାକୁ ସୁପାରିଶ କରାଯାଉଛି। ନିଶ୍ଚିତ କରନ୍ତୁ ଯେ କେବଳ ଉଚ୍ଚମାନର ସାର ଏବଂ କୀଟନାଶକ ବ୍ୟବହାର କରାଯାଉଛି। ବିହନ, ସାର ଏବଂ କୀଟନାଶକ କ୍ରୟ କରିବାର ରସିଦ ଆପଣଙ୍କ ପାଖରେ ରଖନ୍ତୁ।	

CRYSTAL
Inspiring Growth

I&B Seeds
INDUS SEEDS

মূলা- অনুশীলনৰ পেকেট

অভিনন্দন! আপুনি ক্রিষ্টেল পৰিয়ালৰ শ্ৰেষ্ঠতম মূলাৰ বীজ এটা বাচি লৈছে। উচ্চ মানৰ মূলা বীজ উৎপাদনত ক্রিষ্টেলৰ যথেষ্ট অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজবোৰ হৈছে বিস্তৃত গৱেষণাৰ ফলাফল, যাৰ লক্ষ্য হৈছে বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুৰ বাবে উপযুক্ত উচ্চ-উৎপাদনশীল হাইব্রিড শস্য বিকাশ কৰা। বীজ উৎপাদনৰ সময়ত ক্রিষ্টেলে শেহতীয়া প্ৰযুক্তি গ্ৰহণ কৰে যাতে কৃষকসকলে সৰ্বোচ্চ মানৰ বীজ লাভ কৰে। ক্রিষ্টেলৰ মূলা বীজৰ বীজবোৰে জৈৱিক আৰু অজৈৱিক চাপৰ প্ৰতি সহনশীলতাৰ সৈতে উৎকৃষ্ট অংকুৰণ আৰু উন্নত শক্তি প্ৰদান কৰে।
অনুগ্ৰহ কৰি উৎকৃষ্ট কৃষি পদ্ধতি গ্ৰহণ কৰি উৎকৃষ্ট উৎপাদন লাভ কৰক। তলত দিয়া সাধাৰণ পৰামৰ্শসমূহ প্ৰদান কৰা হৈছে, গতিকে আমি আপোনাক অনুৰোধ কৰোঁ যে আপুনি কোনো সিদ্ধান্ত লোৱাৰ আগতে এই পৰামৰ্শসমূহ পঢ়ক।

হাইব্রিড মূলা	হিমানী, হাইব্রিড. হিমানী, স্ভাতি	পালক পত্তা	পূসা চেতকী লান্গ	হাইব্রিড. জোধা (পালক পত্তা)	
সময়কাল	45-55DAS	45-55DAS	45-55DAS	45-55DAS	
খাৰিফ					
ৰবি	হয়	হয়	হয়	হয়	
বসন্ত	আগতীয়া	আগতীয়া	আগতীয়া	আগতীয়া	
জলসিঞ্চনৰ উ	ভূমি	ভূমি	ভূমি	ভূমি	

অনুগ্ৰহ কৰি মন কৰিব যে বতৰ অনুসৰি শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু পৰিপক্কতা ভিন্ন হ'ব পাৰে।

ক্রমিক নম্বৰ	সবিশেষ/কার্য্য/অনুশীলন	কার্যৰ বিৱৰণ, প্রতি একৰ ইনপুট
1	অঞ্চলটোৰ বাবে উপযুক্ততা। কৃষি জলবায়ু অঞ্চল	মূলাবোৰে শীতল বতৰ পছন্দ কৰে আৰু গৰমত বল্ট (বীজলৈ যাব) পাৰে, যাৰ ফলত শিপাৰ বিকাশ বেয়া হয়। শীতল বতৰ ভাল পায় আৰু 10-240 C‌ত বেছিকৈ বৃদ্ধি পায়।
2	ভূমি মাটি	ভালদৰে পানী ওলাই যোৱা বালি মাটি আৰু জলজ মাটি। মাটি Ph 5.5ৰ পৰা 7.0 আদর্শ।
3	ঋতু বীজ সিঁচাৰ/পলোৱাৰ সময়	সমভূমি অঞ্চলত ছেপ্টেম্বৰ মার্চ আদর্শ ঋতু। শীতল বতৰ থকা পাহাৰীয়া অঞ্চলত গোটেই বছৰটো মূলা খেতি কৰিব পাৰি। দক্ষিণ ভাৰতত এপ্রিল-জুন আৰু অক্টোবৰ-ডিচেম্বৰ মাহত ইয়াৰ খেতি কৰিব পাৰি।
4	বীজৰ হাৰ। বীজ সিঁচা/পলোৱা পদ্ধতি	হাইব্রিডত 400-500গ্রাম, জাতত 3.5 -4.5 কেজি/বিঘা। ৰোপণৰ বাবে ৰিজ আৰু ফাৰ' পদ্ধতি
4	মূল পথাৰৰ প্রস্তুতি আৰু ৰোপণ	10 টন বিঘ্নিত FYM প্রয়োগ কৰক তাৰ পিছত মাটিত মিশ্রিত কৰিবলৈ হৰভিং কৰক। সাৰ ঢাকিব পৰা খাদত সাৰ ভিত্তি মাত্রা প্রয়োগ কৰিব লাগে। বীজ সিঁচাৰ দুদিন আগতে পথাৰত জলসিঞ্চন কৰিব লাগে। ডিবল বীজ অগভীৰ শিখৰত পাতলকৈ। বেচিন পদ্ধতিৰে বীজ সিঁচাৰ ক্ষেত্রত দ্রুত আৰু উন্নত অংকুৰণৰ বাবে লঘু জলসিঞ্চন দিব লাগে
5	ব্যৱধান	শাৰীৰ পৰা শাৰীলৈ 30ছেঃমিঃ.; গছৰ পৰা ৰোপণলৈ:5-10 ছেঃমিঃ
6	বীজ সিঁচাৰ আগতে বীজৰ শোধনীকৰণ	বীজক কেপ্টান 2 গ্রাম/কেজিৰ দ্বাৰা শোধন কৰা হয়।
7	সাৰ আৰু সাৰুৱা পদার্থ	* বীজ সিঁচাৰ আগতে মূল মাত্রা : 20:25:25 কেজি NPK * বীজ সিঁচাৰ 20-25 দিনৰ পিছত প্রথম শীর্ষ ড্রেছিং:25 কেজি N
8	জলসিঞ্চনৰ সময়সূচী	মাটিৰ প্রকাৰৰ ওপৰত নির্ভৰ কৰি পথাৰখন জলসিঞ্চন কৰক। 5-6দিনৰ অন্তৰালত এবাৰ হালধীয়া আৰু সঘনাই জলসিঞ্চন কৰিব লাগে।
9	অপতৃণ/ আন্তঃখেতি	দুখন হাতৰ গছ কাটিব লাগে। খেতিপথাৰবোৰ ঘাঁহবিহীন কৰি ৰাখক। গছজোপালৈ ছেঃমিঃৰ ব্যৱধান ৰক্ষা কৰিবলৈ গছজোপা পাতল কৰি লওক
10	ক্ষুদ্র পুষ্টি/বৃদ্ধি নিয়ন্ত্রক স্প্রে	মাইক্র' নিউট্রিয়েণ্টৰ অভাৱ লক্ষ্য কৰিলে মাল্টিপ্লেক্স-স্প্রে কৰিব লাগে
11	কীট-পতংগ আৰু ৰোগ নিয়ন্ত্রণ	পাতৰ দাগ: মেটিৰাম 70%WG (প্রতি লিটাৰত 4 গ্রাম) * বীজ সিঁচাৰ 20-25 দিনৰ পিছত প্রথম শীর্ষ ড্রেছিং:25 কিলোগ্রাম N ডাউনি মিল্ডু : টেবুক'নাজ'ল 50% + ট্রাইফ্লক্সিষ্ট্রবিন 25% WG (প্রতি লিটাৰত 0.5ৰ পৰা 1 গ্রাম) বা ক্লু'ৰ'থেল'নিল 75% WP 1.0 মিলিলিটাৰ/লিটাৰ মাখি ভেকুলী : ক্লু'ৰপাইৰিফছ 1/লিটাৰ থ্রিপছ/এফিডছ: ফ্লোনিকামাইড 50% WG (0.5 গ্রাম/লিটাৰ) বা ফ্লুবেণ্ডাইডামাইড 8.33% + ডেল্টামেথ্রিন 5.56% w/w SC (0.5 মিলি/লিটাৰ) মাইট: স্পাইৰ'মেচিফেন 22.90 % SC (1.3 মিলি/লিটাৰ) পথাৰত ৰোগ নিয়ন্ত্রণ আৰু ৰোগৰ বিষয়ে অধিক তথ্যৰ বাবে অনুগ্রহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক।
12	শস্য চপোৱা	শিপা আৰু পৃথক শিপাৰ লগতে গছজোপাৰ ওপৰৰ শিপা।
13	প্রত্যাশিত উৎপাদন	গড় উৎপাদন 6-10 টন শিপা হয়, আদর্শ পৰিস্থিতিত।
14	সংৰক্ষণ	
15	নকৰিবা	
16	কৰিবা	
টোকা	ওপৰৰ তথ্যসমূহ সাধাৰণ পৰামর্শৰ বাবেহে দিয়া হৈছে। বিশেষ অঞ্চলৰ সৈতে সম্পর্কিত বিশেষ পৰামর্শৰ বাবে, অনুগ্রহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় ৰাজ্যিক কৃষি বিভাগৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক।	
সাৱধানতা	শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু উৎপাদন বিভিন্ন কাৰকৰ দ্বাৰা প্রভাৱিত হ'ব পাৰে। সেয়েহে, পৰামর্শৰ বাবে আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক। নিশ্চিত কৰক যে কেৱল উচ্চ মানৰ সাৰ আৰু কীটনাশক ব্যৱহাৰ কৰা হয়। বীজ, সাৰ আৰু কীটনাশক ঔষধ ক্রয় কৰাৰ বিলবোৰ ৰাখক।	